सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''
● स्वामी विवेकानंद

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25
RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त
सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000
जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित
अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूंदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

पेज @3 डीएसटी व साइबर सेल ने गैंगवार की योजना को किया नाकाम, पांच...
पेज @4 पचलंगी ओम शिव गौशाला में धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन आज...
पेज @8 जो बजट में है वह निश्चित रूप से धरातल पर लागू होंगे, हम विकसित...

सात राज्यों की 13 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का परिणाम

विधानसभा उपचुनाव में इंडिया समूह का दबदबा

नयी दिल्ली । एजेंसी

देश के सात राज्यों की 13 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव परिणाम में जहां इंडिया समूह के दलों ने 10 सीटों पर जीत हासिल करके अपनी ताकत दिखायी, वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को दो सीटों से ही संतुष्ट होना पड़ा। बिहार की रूपौली विधानसभा सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार की जीत ने सभी को चौंका दिया। हाल ही में 10 जुलाई को जिन सात राज्यों की 13 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हुए उनमें पश्चिम बंगाल की चार, हिमाचल प्रदेश की तीन, उत्तराखंड की दो और बिहार, तमिलनाडु, मध्यप्रदेश और पंजाब की क्रमशः एक-एक सीट है।

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा का अपना खाता भी नहीं खोलने दिया और चारों सीटों पर जीत का परचम लहराया। राज्य की बागदा विधानसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार मधुपर्णा ठाकुर ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा उम्मीदवार बिनय कुमार बिस्वास को 33 हजार से ज्यादा मतों से पराजित किया। नवविजेता उम्मीदवार राज्य विधानसभा में सबसे कम उम्र की विधायक होंगी। तृणमूल उम्मीदवार मधुपर्णा को कुल 1,07,706 मत मिले। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी भाजपा प्रत्याशी को 33,455 मतों से हराया। भाजपा उम्मीदवार के खाते में 74,251 मत आये। तीसरे स्थान पर ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक के गौर विस्वास रहे, उन्हें केवल 8189 वोट से संतुष्ट होना पड़ा।

तृणमूल कांग्रेस की चार सीट पर जीत

रायगंज विधानसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस की जीत

रायगंज विधानसभा सीट से भी तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार कृष्ण कल्याणी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के उम्मीदवार मानस कुमार घोष को 50077 मतों से पराजित किया है। तृणमूल उम्मीदवार कल्याणी को कुल 86479 मत पड़े। जबकि भाजपा उम्मीदवार घोष को 36402 मतों से संतुष्ट होना पड़ा। तीसरे स्थान पर कांग्रेस के मोहित सेन गुप्ता रहे, उनके खाते में 23116 वोट पड़े।

हमीरपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के आशीष शर्मा जीते

हमीरपुर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के आशीष शर्मा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के डॉ. पुष्पिंदर वर्मा को 1571 मतों से हराया। श्री शर्मा को 27,041 मत मिले, जबकि डॉ. वर्मा ने 25,470 मत हासिल किये। निर्दलीय उम्मीदवार नंद लाल शर्मा को केवल 74 मत मिले, जबकि 198 मतदाताओं ने नोटा को चुना।

राणाघाट से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार की जीत

राज्य की तीसरी विधानसभा सीट राणाघाट से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार मुकुट मणि अधिकारी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के उम्मीदवार मनोज कुमार विस्वास को 39 048 मतों से पराजित किया। अधिकारी के खाते में कुल 113533 मत पड़े। जबकि भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में 74485 मत पड़े। तीसरे स्थान पर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के अरिंदम विस्वास को 13082 वोट से संतुष्ट होना पड़ा।

मणिकतला से तृणमूल कांग्रेस की सुप्ति पांडे विजयी

राज्य की चौथी विधानसभा सीट मणिकतला से तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार सुप्ति पांडे ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के उम्मीदवार कल्याण चौबे को 62312 मतों के भारी अंतर से पराजित किया। पांडे को कुल 83110 मत पड़े। जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में 20798 मत पड़े। तीसरे स्थान पर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के राजीव मजूमदार को 9502 मत हासिल हुए।

पर्वतीय प्रदेश हिमाचल प्रदेश की तीन विधानसभा सीटों में से दो पर अपनी जीत का परचम लहराया और भाजपा को एक सीट से संतुष्ट होना पड़ा। प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की पत्नी कांग्रेस उम्मीदवार कमलेश ठाकुर ने होशियार सिंह को हराया।

उपचुनाव में हार मोदी-शाह की गिरती साख का प्रमाण : खड़गे

नयी दिल्ली/एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को विधानसभा उपचुनाव में पार्टी की जीत को सकारात्मक राजनीति का परिणाम बताया और कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की यह हार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की राजनीतिक साख में आ रही गिरावट का परिणाम है। खड़गे ने कहा, 'विधानसभा उपचुनाव के सकारात्मक परिणाम के लिए हम जनता के सामने नतमस्तक हैं। उन्होंने जहां-जहां कांग्रेस के उम्मीदवारों के लिए वोट किया इसके लिए उनका तहेदिल से धन्यवाद और आभार।' उन्होंने कहा, 'विपरीत परिस्थितियों में सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मेहनत और प्रयासों के लिए उनका अभिवादन करते हैं। ये जीत दर्शाती है कि जनता ने भाजपा के अहंकार, कुशासन दिया है।

विधानसभा उपचुनाव में भी जनता ने बताया कि भाजपा नहीं चाहिए : कांग्रेस

भाजपा से जनता का मोह खत्म : पवन खेड़ा

नयी दिल्ली । एजेंसी

कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि विधानसभा उपचुनाव में 13 में से 11 सीट कांग्रेस तथा इंडिया समूह को देकर जनता ने एक माह में दूसरी बार साफ संदेश दिया है कि उसे अब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नहीं चाहिए लेकिन भाजपा नेतृत्व की ऐंठ जस की तस बनी हुई है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने आज यहां पार्टी मुख्यालय में 13 सीटों के लिए विधानसभा उपचुनाव के परिणाम आने के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भाजपा और उसके कार्यकर्ता जो भी कहें लेकिन यह स्पष्ट हो गया है कि भाजपा से जनता का मोह खत्म हो गया है और अब उसे भाजपा नहीं चाहिए।

खेड़ा ने कहा, 'देशभर में 13 सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजे आपके सामने हैं। लोकसभा चुनाव में जनता का संदेश बहुत स्पष्ट था लेकिन लोगों ने देखा कि सरकार में अभी भी वही घमंड और ऐंठन थी इसलिए देश की जनता ने महीने भर में दूसरी बार भाजपा को संदेश दिया है। हम उत्तराखंड की दोनों सीट पर जीते और हिमाचल प्रदेश की भी दो सीट पर जीत हासिल की है।' उन्होंने कहा, 'भाजपा को 13 में सिर्फ दो सीट मिली हैं। इतिहास में पहली बार हुआ होगा कि मध्य प्रदेश के अमरवाड़ा में काउंटिंग रोककर अधिकारी लंच ब्रेक कर लेते हैं। पूरा प्रशासन कांग्रेस को हराने के लिए जुट जाता है। मतदाताओं को हम दिल से धन्यवाद देते हैं, क्योंकि उन्होंने ऐसे लोगों को सबक सिखाया, जो संविधान को बदलने की बात कर रहे थे। जनता ने चुनी हुई सरकारों को अस्थिर करने वालों को करारा जवाब दिया है।'

प्रवक्ता ने कहा, 'भाजपा की राजनीति को लोग ठुकरा रहे हैं। क्योंकि उसकी राजनीति में जवाबदेही का स्थान नहीं है और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के प्रति सम्मान नहीं है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोगों के सवाल का जवाब देना जरूरी नहीं समझते।

मोदी सरकार का बड़ा फैसला, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल को दी दिल्ली के एलजी जैसी पावर

नई दिल्ली/एजेंसी।

जम्मू-कश्मीर में अब उपराज्यपाल की शक्तियां और ज्यादा बढ़ गई हैं। उन्हें अब दिल्ली के उपराज्यपाल जैसी शक्तियां दी गई हैं। इसके लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शनिवार को जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम में संशोधन किया। इस संशोधन के बाद अब जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल दिल्ली के एलजी की तरह अधिकारियों के ट्रांसफर पोस्टिंग जैसे फैसले कर पाएंगे।

गृह मंत्रालय के फैसले के बाद अब जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल की प्रशासनिक भूमिका का दायरे बढ़ जाएगा। इस संशोधन के बाद उपराज्यपाल को अब पुलिस, कानून व्यवस्था, एआईएस से जुड़े मामलों में ज्यादा अधिकार होंगे। पहले, एआईएस से जुड़े मामलों (जिनमें वित्त विभाग की सहमति जरूरी होती थी) और उनके तबादलों और नियुक्तियों के लिए वित्त विभाग की मंजूरी जरूरी थी। लेकिन अब उपराज्यपाल को इन मामलों में भी ज्यादा अधिकार मिल गए हैं। इसके अलावा अब महाधिवक्ता, कानून अधिकारियों की नियुक्ति और मुकदमा चलाने की अनुमति देने या इनकार करने या अपील दायर करने से संबंधित प्रस्ताव पहले उपराज्यपाल के सामने रखे जाएंगे।

गृह मंत्रालय ने जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की धारा 55 के तहत संशोधित नियमों को अधिसूचित किया। इसमें उपराज्यपाल की भूमिका को परिभाषित करने वाले नए खंड जोड़े गए हैं। अधिसूचना में कहा गया है कि कानून के तहत उपराज्यपाल के विवेक का इस्तेमाल करने के लिए पुलिस, कानून व्यवस्था, एआईएस और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) से संबंधित किसी भी प्रस्ताव को वित्त विभाग की पूर्व सहमति की आवशयकता नहीं होगी, बशर्ते कि प्रस्ताव को मुख्य सचिव के माध्यम से उपराज्यपाल के समक्ष रखा गया हो।

लॉरी और एम्बुलेंस के बीच जोरदार टक्कर, मची चीख-पुकार, 6 लोगों की दर्दनाक मौत

घाटाल/एजेंसी।

पश्चिम बंगाल में लॉरी और एम्बुलेंस की जोरदार टक्कर हो गई। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। एम्बुलेंस घाटाल से मरीजों को लेकर मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज आ रही थी तो लॉरी मेदिनीपुर दिशा से केशपुर की ओर जा रही थी। तभी पंचमी के पास बड़े पोल के पास हादसा हो गया। दोनों वाहन की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में एम्बुलेंस सवार ज्यादा लोग हताहत हुए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एम्बुलेंस पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में दो महिलाओं समेत छह लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक एम्बुलेंस में सात और लॉरी में ड्राइवर समेत दो लोग सवार थे।

यूएस राजदूत की धमकी के बाद एक्शन में आए एनएसए डोभाल

अमेरिकी सुरक्षा सलाहकार को घुमा दिया फोन

नई दिल्ली/एजेंसी।

जब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस की यात्रा से वापस लौटे हैं, तब से अमेरिका कुछ नाराज होता नजर आ रहा है। दरअसल, पीएम मोदी के रूस यात्रा से अमेरिका काफी नाराज है। भारत में तैनात अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी का धमकी भरा लहजा भारत को कतई पसंद नहीं आया है।

वहीं, अमेरिकी सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन ने भी चेताया था कि भारत का एक लंबे समय तक रूस पर भरोसा करना बिल्कुल सही नहीं है। दरअसल, गुरूवार को दिल्ली में एक कार्यक्रम में एरिक ने कहा था कि 'भारत-अमेरिका संबंध पहले से कहीं अधिक व्यापक और गहरे हैं, लेकिन ये इतने गहरे भी नहीं हैं कि इन्हें हल्के में

लिया जाए।'

अमेरिकी राजनयिक के ये तीखे शब्द प्रधानमंत्री मोदी के रूस और ऑस्ट्रिया की दो देशों की यात्रा समाप्त करने के बाद दिल्ली पहुंचने के कुछ ही घंटों बाद आई थी। हालांकि, अब भारत ने भी इस तीखे बोल पर अपनी कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की। भारत की ओर से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहाकर अजित डोभाल ने शुक्रवार को जैक सुलिवन के साथ फोन पर बातचीत की।

विदेश मंत्रालय ने दोनों देशों के बीच हुई बातचीत की जानकारी देते हुए बताया कि डोभाल और सुलिवन के बीच शांति और सुरक्षा की दिशा में वैश्विक चुनौतियों से निपटने पर बातचीत हुई। इसके अलावा भारत और अमेरिका के बीच वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के सामूहिक काम करने की जरूरत को भी दोहराया।

दोनों राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों ने भारत-अमेरिका के संबंधों पर भी खुलकर बातचीत की। साथ ही आपसी सहमति के साथ काम करने की दिशा पर भी चर्चा की जो सामान्य रणनीतिक और सुरक्षा हितों' पर बने हैं। दोनों के बीच 'द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय महत्व के विभिन्न मुद्दों पर भी बातचीत हुई।

सावधान! बिना ओटीपी या फोन कॉल के खाते से उड़ा लिए पैसे, साइबर शातिरों के नए तरीके से पुलिस भी हैरान

पूर्णियां/एजेंसी।

बिहार के पूर्णियां में साइबर ठगी का नया मामला सामने आया है। साइबर शातिरों ने बिना ओटीपी या फोन कॉल के पैसे गायब कर दिए हैं। आम तौर पर देखा जाता है कि साइबर ठगों को पैसे निकालने के लिए ओटीपी की जरूरत होती है। बैंक भी कहता है कि अपना ओटीपी शेयर नहीं करें। लेकिन अगर बिना ओटीपी के ही आपके खाते से पैसे गायब हो जाएं, तो इसे आप क्या कहेंगे। पूर्णियां में कुछ ऐसा ही मामला सामने आया है। जहां साइबर शातिरों ने बिना ओटीपी के बैंक खाते से पैसे गायब कर दिए। यह घटना 12 जुलाई, 2024 को सामने आई। पुलिस ने इस गिरोह के 8 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। अपराधियों ने पीड़ितों के आधार बायोमेट्रिक डेटा, जैसे कि फिंगरप्रिंट, को सरकारी वेबसाइट पर उनके भूमि रिकॉर्ड से प्राप्त किया। फिर उन्होंने इस बायोमेट्रिक डेटा का उपयोग पीड़ितों के बैंक खातों तक पहुँचने और बिना किसी हझक्क या किसी फोन कॉल की आवशयकता के पैसे ट्रांसफर करने के लिए किया। जिस आसानी से अपराधियों ने बिना हझक्क के पैसे चुराने के लिए इस डेटा को प्राप्त किया और उसका उपयोग किया, वह हमारी बायोमेट्रिक जानकारी की सुरक्षा के बारे में गंभीर चिंता पैदा करता है। यहां यह ध्यान देने वाली बात है कि हम सभी अपनी डिजिटल पहचान की सुरक्षा के लिए कदम उठाएं।

दिल्ली में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण जरूरी

वायु प्रदूषण के संदर्भ में हाल ही में जारी आंकड़े देश में भयावह स्थिति की तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। मौजूदा स्थिति के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 100 में से लगभग 12 लोगों की मौत खराब हवा के कारण होती है। एक रिपोर्ट में दिल्ली को विश्व का सबसे प्रदूषित शहर बताया गया था। पूरे वर्ष यहां की हवा खराब रहती है। सर्दी में समस्या और बढ़ जाती है। इस मसले पर अदालत से लेकर संसद तक चिंता जताई जा चुकी है। फिर भी स्थिति में सुधार नहीं है। ऐसा लगता है कि इस क्षेत्र में किसी ने कोई काम नहीं किया। जैसे ही सर्दी बढ़ेगी सरकारें एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति शुरु कर देंगी। वाराणसी में भी वायु प्रदूषण से होने वाली मौत 10 प्रतिशत से अधिक है। इसके अलावा भी तमाम ऐसे इलाके हैं जहां वायु प्रदूषण मानव जीवन पर भारी पड़ रहा है। देश के स्वच्छ वायु मानदंड डब्ल्यूएचओ के 15 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर के दिशा-निर्देश से चार गुना अधिक है। यह बेहद परेशान करने वाला आंकड़ा है। इसही वजह से वायु प्रदूषण के लिहाज से बेहतर माने जाने वाले शहरों में भी लोगों की जान जा रही है। मुंबई, कोलकाता बेंगलुरु और चेन्नई जैसे शहरों में हवा अपेक्षाकृत साफ रहती है, लेकिन इन शहरों में भी प्रदूषण से मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। विशेषज्ञों के अनुसार हवा में पीएम 2.5 का स्तर डब्ल्यूएचओ के मानक से अधिक होने से यह नौबत आती है। अब तो मौसम के बदलते स्वरूप की वजह से ऐसी बीमारियां सामने आ रही हैं, जिनका नाम कभी सुना भी नहीं गया। साथ ही कम उम्र में मधुमेह, कैंसर व हार्ट अटैक जैसी बीमारियों ने हमें आईना दिखाना शुरू कर दिया है। आश्चर्य यह है कि इतना सब कुछ होने के बाद भी हम वैसे के वैसे हैं।

सर्दियों के दिनों में कोर्ट भी दिल्ली को गैस चैम्बर तक घोषित कर देता है। पिछले कुछ वर्षों से दीपावली के बाद प्रदूषण बहुत परेशान करता है। आंखों में जलन होना, गले में खराश रहने के अलावा थोड़ी दूर का स्पष्ट दिखाई तक नहीं देता। बच्चों, बुजुर्गों व अस्थमा के मरीजों के लिए तो आफत आ जाती है। इस खतरनाक प्रदूषण की वजह से स्कूलों को बंद करना पड़ता है। हद यह है कि व्यवस्था तंत्र प्रणाली को भलि-भांति पता है कि लोगों का जीवन प्रदूषण की वजह से खत्म होता जा रहा है, लेकिन उनकी सक्रियता व गंभीरता का धरातल पर कोई असर न दिखना मानव जीवन को खत्म कर रहा है और इसके अलावा हम आने वाली पीढ़ी को अपने हाथों से मारने जैसा काम कर रहे हैं। प्रदूषण के मुद्दे पर सबकी सोच एक जैसी है पर सुधरना कोई नहीं चाहता। अब प्रदूषण फैलने के दूसरे पहलू की बात करें तो केंद्र व राज्य सरकारें पराली न जलाने के लिए किसानों को लगातार जागरूक करती हैं। पराली को नष्ट करने के लिए मुआवजे के अंतर्गत मशीनें भी देती हैं। करोड़ों का बजट भी पारित किया जाता है लेकिन किसान मशीन तक नहीं खरीदते। हरियाणा में इसके लिए तमाम आईएएस व आईपीएस की ड्यूटी भी लगाई गई पर परिणाम वही ढाक के तीन पात।

दिल्ली-एनसीआर में अभी सर्दी नहीं पड़ी और अभी से ही हाल इतना बुरा है कि यहां सांस लेने में इस कदर तकलीफ हो रही हो जैसे कि किसी बड़ी फैक्टरी के अंदर दम घुटता है। यदि आज यहां के किसी भी स्वस्थ व्यक्ति की जांच कराई जाए तो निश्चित तौर पर उसको फेफड़ों से संबंधित बीमारी निकलेगी। इसका ताजा उदाहरण प्रदूषण के दिनों में देखने को मिलता है क्योंकि हॉस्पिटल में सांस से संबंधित मरीजों की संख्या ज्यादा होती है। डॉक्टरों के अनुसार प्रदूषण की मात्रा बढ़ने के कारण ऑक्सीजन कम हो जाता है जिस वजह से अस्थमा के मरीजों की मौत तक हो जाती है। इसके अलावा दीवाली के बाद जो प्रदूषण हमारी सांस में जाता है उससे पूरे शरीर का सिस्टम बेहद प्रभावित हो जाता है जिसमें लीवर में भी समस्या होने लगी व छोटे बच्चों के शरीर के विकास में भी प्रभाव पड़ने लगा। कुछ साल पहले केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय ने एक रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें ईज ऑफ लिविंग इंडेक्स के अनुसार गंभीर वायु प्रदुषण के चलते दिल्ली को स्वास्थ्य के हिसाब से 65वें स्थान पर बताया गया था। इस रिपोर्ट में यह दर्शाया गया था कि अब यह शहर रहने योग्य नहीं है। बहरहाल, स्वास्थ्य जैसे मामलों में लापरवाही करना या हल्के में लेना हमें ही नुकसान पहुंचाता है। हद तो यह है कि हम हाईटेक होने के चक्कर में अपने हेल्थ की ओर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे रहे। इससे जीवन पर लगातार संकट बना हुआ है। प्रदूषण की जंग जीतने के लिए सरकार को कड़े कदम उठाने होंगे चूंकि जितने भी प्रदूषण के कारण हैं उन पर सख्ती से कार्रवाई करने की जरूरत है। वायु प्रदूषण का एक प्रमुख कारक वन क्षेत्र का कम होना भी है। बावजूद इसके पेड़ों का काटा जाना लगातार जारी है। मानव को शहरीकरण की भूख ने इतना बर्बर बना दिया है उसको प्रकृति से कोई लेना-देना नहीं है। यदि दिल्ली के चारों छोर की बात करें तो एक तरफ गुरुग्राम, दूसरी तरफ राज नगर, तीसरी ओर लोनी बॉर्डर तो चौथी तरफ नरेला आता है। यहां 10-20 साल पहले बहुत हरियाली होती थी। अब यहां कंक्रीट का जंगल है।

भारतीय संस्कृति और मर्यादा का अंतस

हृदयनारायण दीक्षित

प्रत्यक्ष पर्यावरण प्रकृति की संरचना है। भारत के प्राचीनकाल में भी प्राकृतिक पर्यावरण की उपस्थिति मनमोहक थी। प्रकृति को देखते, उसके विषय में सोचते और सुनते मनुष्य ने भी सृजन कर्म में जाने अनजाने भागीदारी की। आज का भारत हमारे पूर्वजों, अग्रजों के सचेत कर्मों का परिणाम है। मनुष्य द्वारा किए गए सुंदर सत्कर्म संस्कृति हैं। प्रकृति स्वाभाविक है। लेकिन संस्कृति मनुष्य की रचना है। संक्षेप में विश्व के प्रत्येक जीव की लोकमंगल कामना और उसके लिए किए गए कर्म संस्कृति है। संस्कृति किसी एक व्यक्ति या समूह के कर्मफल का परिणाम नहीं होती।

भारतीय संस्कृति के विकास में विज्ञान और दर्शन की महत्ता है। कोई अंधविश्वास नहीं। रूप, रस, गंध, शब्द और स्पर्श प्रत्यक्ष इंद्रिय बोध के हिस्से हैं। पूर्वजों की 'मंगल भवन अमंगल हारी'' कर्मठ चेतना से संस्कृति का विकास हुआ। सारांशतः भारत के बुद्धि विवेक और ज्ञान प्रज्ञान का सर्वोत्तम संस्कृति है। राष्ट्र के सभी अंगभूत घटक एक स्वर, एक लय, एक प्रीति, एक छंद और एक रस समरस स्पंदित होकर अपनी संस्कृति गढ़ते हैं। संस्कृति भारत के लोगों के दर्शन, भाषा, धर्म, कला, आशा, संवेदना, अनुभूति, प्रीति, धीरज, साहस संयम और मर्यादा का अंतस है। भारतीय संस्कृति हजारों वर्ष की तपसाधना का सृजन है। मार्शल ने लिखा है, "अनेक प्रमाणों में भारत में एक अत्यंत विकसित संस्कृति की उपस्थिति का पता चलता है। इसके पीछे अवश्य ही भारत की धरती का लंबा इतिहास होना चाहिए।"

ऋग्वेद दुनिया का प्राचीन शब्द प्रमाण है। प्राचीन समाज का विज्ञान है और तत्कालीन समाज की संस्कृति का दर्पण है। वैदिक साहित्य में सामाजिक संगठन के स्वर्ण सूत्र हैं। यहां दर्शनशास्त्र है। विज्ञान है। योग और भौतिक विज्ञान है। प्राचीन इतिहास में इस भूखंड की आस्था जैसा प्रश्नाकुल दर्शन अन्यत्र नहीं मिलता। यहां आस्था और वैज्ञानिक विवेक साथ-साथ चलते हैं। हिन्दू धर्म में एक साथ तर्क और प्रतिप्रश्न दिखाई पड़ते हैं। यहां धर्म का विकास हुआ है। यह इतिहास बड़ा मजेदार है। पहले प्रकृति का अध्ययन, विवेचन और विश्लेषण। फिर प्रकृति की शक्तियों का आदर। इन्हें देवता कहा गया। प्रकृति में नियमबद्धता देखी गई। वैदिक ऋषियों ने इस नियमबद्धता को मनुष्य के जीवन के लिए मार्गदर्शी व प्रेरक बताया। भारत में इसी सबसे विश्वप्रिय दृष्टिकोण का विकास हुआ। कौटिल्य ने दार्शनिक दृष्टिकोण अपनाकर दुनिया का पहला अर्थशास्त्र लिखा। इसी तरह अभिनय कला के सभी सरोकारों को समझते हुए भरतमुनि ने नाट्यशास्त्र लिखा।

चरक ने चरक संहिता और पाणिनि की अष्टाध्यायी और पतंजलि का योगसूत्र हिन्दुओं की ओर से सारी दुनिया के लिए पुरस्कार है।

ब्रिटिश सत्ता के दौरान यूरोपीय सभ्यता को श्रेष्ठ और भारतीय संस्कृति को छोटा और हेय बनाने का प्रयास किया गया है। पंडित नेहरू भी यूरोप की संस्कृति से प्रभावित थे। उन्होंने रामधारी सिंह 'दिनकर' की पुस्तक 'संस्कृति के चार अध्याय' की भूमिका में लिखा, "जब पश्चिम के लोग समुद्र पार से यहां आए, तब भारत के द्वार दरवाजे एक खास दिशा की ओर खुल गए। आधुनिक औद्योगिक सभ्यता बिना किसी शोरगुल के इस देश में प्रवेश कर गई। नए विचारों और नए भावों का हम पर हमला हुआ और भारतीय बुद्धिजीवी अंग्रेज बुद्धिजीवियों की तरह सोचने का अभ्यास करने लगे।" इस वक्तव्य के अनुसार भारतीय बुद्धिजीवियों द्वारा अंग्रेज बुद्धिजीवियों की तरह सोचना खास प्रतिष्ठा है। अंग्रेज बुद्धिजीवियों के हित साम्राज्यवादी थे। उनके लक्ष्य ईसाईयत के प्रचार से जुड़े थे। सभ्यता इकहरी नहीं होती। प्रत्येक सभ्यता का एक दर्शन होता है। एक उद्देश्य होता है। स्वयं को प्रकट करने की अपनी शैली होती है। यह सारी बातें हिन्दू धर्म और परंपरा में पहले से मजबूत रही हैं। लेकिन नेहरू और उनसे प्रभावित बुद्धिजीवी यूरोप से वैचारिक आयात कर रहे थे। इसलिए इतिहास के अनेक प्रश्न महत्वपूर्ण हैं। हिन्दू इतिहास संकलन की शैली यूरोपीय इतिहास संकलन से भिन्न है। भारतीय बुद्धिजीवियों ने महाकाव्यों, पुराणों और वैदिक साहित्य के रूप में भारत की सभ्यता और संस्कृति की नीव मजबूत की थी। लेकिन प्राचीन भारत में यूरोपीय ढंग से इतिहास का संकलन नहीं हुआ। अंग्रेजों ने अपनी सत्ता चलाने के लिए भारत के सम्यक अध्ययन को जरूरी पाया।

ब्रिटिश विद्वानों ने इतिहास की यूरोपीय शैली को अपनाते हुए भारतीय इतिहास का विवेचन किया। मार्क्सवादी विद्वान रामशरण शर्मा ने 'प्रारंभिक भारत का परिचय'' (पृष्ठ 6) में लिखा है, "ब्रिटेन वालों ने जब यहां शासन कायम किया तब उन्हें औपनिवेशिक प्रशासन के हित में इसकी आवश्यकता प्रतीत हुई। जब 1765 में बंगाल और बिहार ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन में आए, तब शासकों को हिन्दुओं के उत्तराधिकार की न्याय व्यवस्था करने में कठिनाई का अनुभव हुआ। अतः 1776 में सबसे अधिक प्रामाणिक मानी जाने वाली मनुस्मृति का अंग्रेजी अनुवाद 'ए कोड ऑफ जेंटू लॉज' के नाम से कराया गया।" यह सब बातें मार्क्सवादी विद्वान की हैं। 1784 में कोलकाता में 'एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल' की स्थापना विलियम जोन्स ने की। उन्होंने 'अभिज्ञान शाकुंतलम' नाटक का अंग्रेजी में अनुवाद किया। इसी समय वर्ष 1785 में विलकंस ने भगवदगीता का अंग्रेजी में अनुवाद किया। ब्रिटिश सत्ताधीश भारत को ठीक से समझने में लगे थे। वस्तुतः भारत की सभी संस्थाओं को अंग्रेजीराज की मजबूती के लिए इस्तेमाल करने का काम उस समय के आधुनिक विद्वानों के द्वारा किया जा रहा था।

रामशरण शर्मा ने लिखा है, "उन्हें महसूस हो गया कि जिन विदेशी लोगों पर उन्हें शासन करना है, उनके रीति-रिवाज और सामाजिक व्यवस्था का गहन ज्ञान प्राप्त करना होगा। क्रिश्चियन मिशनों के धर्म प्रचारकों ने भी हिन्दू धर्म की दुर्बलताओं को जानना आवश्यक समझा ताकि वे धर्म परिवर्तन करा सके और इसके द्वारा ब्रिटिश साम्राज्यवादियों को मजबूत बना सकें। इन आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए मैक्समूलर के संपादकतत्व में विशाल मात्रा में प्राचीन धर्म ग्रंथों का अनुवाद किया गया। ये अनुवाद 'सैकरेड बुक्स ऑफ द ईस्ट' सीरीज में 50 खंडों में प्रकाशित हुआ। भारतीय इतिहास और समाज के अध्ययन का इनका उद्देश्य ब्रिटिश सत्ता का समर्थन था। पाश्चात्य विद्वानों ने भारतीय इतिहास और समाज की संरचना के सम्बंध में कई भ्रामक नतीजे निकाले थे। उनके मत में प्राचीन भारत के लोगों को इतिहास का विशेषतया काल और क्रम का बोध नहीं था कि भारत के लोग स्वेच्छाकारी शासन के अभ्यस्त रहे। वे आध्यात्मिक और पारलौकिक समस्याओं में ही डूबे रहे।" विंसेंट स्मिथ (1843-1920) ने 'अर्ली हिस्ट्री ऑफ इंडिया' नाम का ग्रंथ लिखा। स्मिथ भी ईमानदार नहीं रहे। ब्रिटिश विद्वानों के इतिहास ग्रंथ पक्षपातपूर्ण रहे हैं। उन्होंने इतिहास का विरुपण किया है। हम भारत के लोग जन्म से, अनुभव से, अध्ययन और परिश्रम से विश्व की प्रतिष्ठित संस्कृति के उपासक हैं। संप्रति विदेशी सभ्यता और संस्कृति को आधुनिकता बताकर तथ्य गलत तरीके से प्रस्तुत किया जा रहा है। हमारा वर्तमान हमारे भूत का विस्तार है और हमारे आज के श्रमतप भविष्य का भारत रच रहे हैं। आधुनिकता के नाम पर विदेशी संस्कृति का आह्वान और हिन्दू संस्कृति की उपेक्षा स्वीकार्य नहीं है। भारत की आधुनिकता भारत की परंपरा का ही विकास होनी चाहिए।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

'पार्किंसंस' के बीच सृजित हुए 'पुष्कर के उद्गार'

डॉ. सत्यवान सौरभ

छह साल पहले, मेरा लंबे समय से चल रहा अवसाद एक मनोवैज्ञानिक अवसादग्रस्तता पार्किंसन बीमारी में परिणत हो गया, जिससे मेरे पास बेहतर होने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध होने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा। मैंने मूड स्टेबलाइज़र लेना शुरू किया और नियमित रूप से एक चिकित्सक से मिला। भले ही यह अनुभव थका देने वाला रहा पर आज मैं पहले से कहीं ज्यादा स्थिर महसूस करता हूं। बीमारी गई नहीं है और शायद न ही कभी जीते जी जाएगी। ...क्योंकि इसका धरती पर कोई इलाज नहीं है।" यह कहना है हरियाणा के भिवानी के गांव बड़वा में जन्मे और आजकल हिसार के सेक्टर 16 -17 निवासी रिटायर्ड असिस्टेंट टाउन प्लानर (राजपत्रित अधिकारी) पुष्कर दत्त शर्मा की। उनका हाल ही में कविता संग्रह 'पुष्कर के उद्गार' छपा है।

पुष्कर दत्त शर्मा को 2016 के दिसम्बर में दुनिया की इस भयंकर बीमारी के लक्षण आने शुरू हुए। शुरू में इनको दाएं पैर के अंगूठे में कम्पन का आभास हुआ। धीरे-धीरे उन्होंने अकेले चलने और कोई भी काम अकेले करने की क्षमता खो दी। देश-विदेश से इलाज़ लेने के बाद भी इस बीमारी का कोई इलाज नहीं मिला। आखिरकार इस बीमारी के साथ जीना जरूर सीख लिया। पार्किंसंस रोग एक मस्तिष्क विकार है, जो अनपेक्षित या अनियंत्रित गतिविधियों का कारण बनता है, जैसे कंपन, अकड़न, तथा संतुलन और समन्वय में कठिनाई। लक्षण आमतौर पर धीरे-धीरे शुरू होते हैं और समय के साथ बिगड़ते जाते हैं। जैसे-जैसे बीमारी बढ़ती है, लोगों को चलने और बोलने में कठिनाई हो सकती है। पुष्कर दत्त ने बताया कि " मुझे यह स्वीकार करने में जितना भी अरुचि हो, मेरी

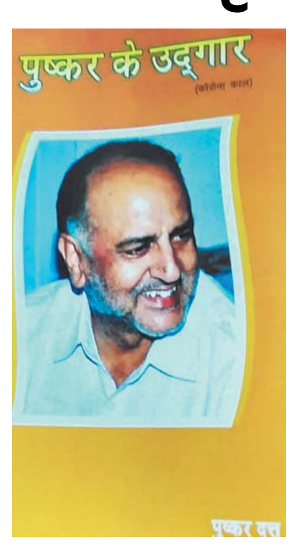

मानसिक बीमारी ऐसी चीज बन गई जिसका मैं फायदा उठा सकता था। अपने लक्षणों को विचित्रताओं में बदलकर, मैं अपनी मानसिक बीमारी की तीव्रता को उससे कहीं अधिक समय तक दबाने में कामयाब रहा जितना मुझे करना चाहिए था। जब आप गंभीर मानसिक बीमारी से उत्पन्न होने वाले हानिकारक दृष्टिकोणों को आंतरिक रूप से ग्रहण करते हैं, तो यह आपको अनोखा महसूस करा सकता है, और अनोखा महसूस करना लगभग उतना ही अच्छा है जितना कि खुश होना। बाहर न जाने की स्थिति में मैंने कुछ न कुछ लिखना शुरू कर दिया।"

"यह दर्शाता है कि मैंने अवसाद के साथ अपने रिश्ते को बदल दिया है और एक नए व्यक्ति के रूप में विकसित हुआ हूं। पहचान को फिर से खोजना जितना डरावना है, यह प्रक्रिया मुक्तिदायक हो सकती है, जिससे आप एक उद्देश्य पा सकते हैं और अपनी क्षमता की खोज कर सकते हैं। यह आपकी अपनी इच्छाओं और जुनून पर विचार करने का अवसर है, बजाय इसके कि उनका उपयोग अनुपचारित मानसिक बीमारी से निपटने के लिए किया जाए। उदाहरण के लिए, मैं रचनात्मक लेखन में इसलिए आया क्योंकि मैं भावनात्मक रूप से खुद को शांत करना चाहता था। अब जब मेरी मानसिक ऊर्जा मानसिक बीमारी से जूझने में एकाधिकार नहीं रखती, तो मैं रचनात्मक लेखन में स्वस्थ तरीके से शामिल हो पाया हूं। मेरा लेखन वास्तव में बेहतर हो गया है।" वह कहते हैं, " लेकिन मेरे मानसिक स्वास्थ्य में पर्याप्त सुधार के साथ एक अजीबोगरीब दुष्प्रभाव भी आया- कम्पन। बेहतर होने पर, मुझे जल्दी ही पता चला कि मैंने अपने जीवन का इतना हिस्सा इस धारणा पर बनाया था कि मैं हमेशा दुखी रहूंगा। और जब खुशी कुछ हासिल करने लायक हो गई, तो मैंने जो पहचान विकसित की थी, उसका इस बीमारी के चलते अर्थ खो गया। मुझे अपनी बीमारी से रिटायरमेंट के बाद इस तरह जूझना पड़ेगा कभी सोचा न था। मेरी इस पार्किंसन बीमारी के परिणाम कभी भी पूरी तरह से दूर नहीं होंगे- लक्षण भड़क सकते हैं और जीवन के बुरे दौर की यादें बनी रहेंगी। अपने मानसिक स्वास्थ्य को सक्रिय रूप से संबोधित करने का मतलब यह नहीं है कि मानसिक बीमारियों के साथ आपके अनुभव अब आपके व्यक्तित्व का हिस्सा नहीं हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मानसिक बीमारी अब आपके जीवन और स्वयं की धारणा को प्रभावित नहीं करती है। इसे स्वीकार करें। यह रास्ता मुश्किल हो सकता है, लेकिन यह ऐसी चुनौती नहीं है जिसका सामना आपको अकेले करना पड़े। किसी थेरेपिस्ट से बात करें। अपने दोस्तों और परिवार का सहारा लें। अपनी पहचान को अपनी 'अजीब आदतों' के बजाय अपने जुनून के इर्द-गिर्द फिर से आकार देना मेहनत के लायक है।"

पुष्कर दत्त शर्मा जी ने बताया, "मैंने अपनी ड्यूटी के साथ-साथ इस बीमारी से लड़ते हुए 103 कविताओं की एक पुस्तक, जिसका नाम 'पुष्कर के उद्गार' लिखी, इसका विधिवत विमोचन होने के बाद यह पुस्तक निशुल्क वितरित की गई। यह पुस्तक मेरा प्रथम प्रयास है तथा यह विभिन्न विषयों पर लिखी गई है। पुस्तक में लगभग 20 कविताएं कोरोना से संबंधित हैं। इनमें लोगों को कोरोना से लड़ने के लिए मोटिवेट किया गया है। लेखन भी जारी है परंतु बीमारी मुझे हर प्रकार से घेर रही है। स्वास्थ्य खराब होने के बावजूद भी मैंने बीमारी के सामने कभी घुटने नहीं टेके हैं। सरकार से अनुरोध है कि इस बीमारी के रोकथाम के लिए तुरंत प्रभाव से वैक्सीन इत्यादि बनाकर लाखों मरीजों की परेशानी से मुक्ति दिलाए।"

(लेखक, स्वतंत्र टिपण्णीकार हैं।)

नीट में कदाचार के बावजूद दोबारा परीक्षा न कराना अन्याय है!

मनोज कुमार अग्रवाल

केंद्र सरकार ने नीट पेपर लीक को लेकर सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया है। केंद्र ने हलफनामे में कहा कि भारत सरकार उन छात्रों की चिंताओं को दूर करने के लिए बाध्य है जिन्होंने नीट परीक्षा 2024 दी है। सुप्रीम कोर्ट में इस मामले पर गुरुवार 11 जुलाई को सुनवाई की लेकिन किसी निष्कर्ष पर पहुंचे बिना आगामी सुनवाई के लिए 18 जुलाई तय की। सरकार के हलफनामे में कहा गया, सरकार समाधान खोजने के लिए चौतरफा प्रयास कर रही है, साथ ही यह सुनिश्चित कर रही है कि किसी भी दोषी उम्मीदवार को कोई लाभ न मिले। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि 23 लाख छात्रों पर सिर्फ आशंकाओं के चलते एक नई परीक्षा का बोझ न डाला जाए। एनटीए ने भी सुप्रीम कोर्ट में जवाब में कहा कि पटना/हजारीबाग मामले में किसी भी ट्रंक में कोई प्रश्न पत्र गायब नहीं पाया गया। प्रत्येक प्रश्न पत्र में एक अद्वितीय क्रमांक होता है और उसे एक विशेष उम्मीदवार को सौंपा जाता है। कोई भी ताला टूटा हुआ नहीं मिला। एनटीए पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट में कुछ भी प्रतिकूल नहीं बताया गया। कमांड सेंटर में सीसीटीवी कवरेज की लगातार निगरानी की गई। कोई अप्रिय घटना या पेपर लीक होने का कोई संकेत नजर नहीं आया। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को परीक्षा रद्द करने और परीक्षा दोबारा आयोजित करने की मांग करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई 18 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी। याचिकाकर्ताओं ने कथित गड़बड़ियों की भी जांच की मांग की है। मंत्रालय ने सर्वोच्च न्यायालय को सूचित किया है कि आईआईटी मद्रास द्वारा नीट- यूजी 2024 के परिणामों का डेटा विश्लेषण किया गया था, जिसमें पाया गया कि न तो 'बड़े पैमाने पर कदाचार' का कोई संकेत था और न ही उम्मीदवारों के किसी स्थानीय समूह को इसका लाभ मिला और उन्होंने असामान्य रूप से उच्च अंक प्राप्त किए। सरकार और एनटीए अपनी प्रतिष्ठा बचाने के लिए लीपापोती कर रहे हैं सवाल उठता है जब कोई पेपर लीक हुआ ही नहीं तो छह राज्यों में 42 गिरफ्तारियां क्यों की गई हैं? जो तथ्य सामने आए हैं उनसे पता चलता है कि गोधरा गुजरात के एक परीक्षा केंद्र में दो हजार किलोमीटर दूर से अभ्यर्थी परीक्षा देने के लिए आए। सवाल यह है कि इन छात्रों ने दो हज़ार किलोमीटर दूर का परीक्षा केंद्र क्यो चुना? जाहिर है कि परीक्षा केंद्र आबंटन से लेकर पेपर लीक करने तक के लिए एक बड़ा तंत्र पेपर लीक माफियाओं का सिंडिकेट व्यापक रूप से पेपर लीक करने में जुटे थे और वह इस मे कामयाब रहे। सुप्रीम कोर्ट ने प्रथम दृष्टया माना है कि परीक्षा की शुचिता भंग हुयी है यानी परीक्षा में कदाचार हुआ है लेकिन इस जुगाड़ में लगे अपराधियों ने कितने छात्रों को फायदा पहुंचाया यह तोल जोख की जा रही है।

यह सारी स्थिति बहुत शर्मसार करने वाली है आजकल डिजिटल युग में कोई पेपर दुनिया के किसी कोने में लीक हो तो पलक झपकते ही नेट के इस्तेमाल से लाखों छात्रों तक पहुंच सकता है। अब यह सरासर अन्याय है कि जिस परीक्षा में 67 बच्चे शत प्रतिशत मार्क्स हासिल कर रहे हैं जबकि बीते दस साल में दो से अधिक छात्र शत प्रतिशत अंक हासिल नहीं कर सके। जाहिर है कि गड़बड़ी व्यापक पैमाने पर हुई। लेकिन सरकार इन दिनों बहुत सारे पेपर लीक मामलों में आलोचना का शिकार बन रही है इसलिए एक और तोहमत लगने से बचाव करने के लिए जिंदा मक्खी निगलना चाहती है? एनटीए खुद कसूरवार है तो वह इधर-उधर की बात करें तो स्वाभाविक है। सरकार को एनटीए की कुप्रबंध को स्वीकार कर तत्काल नीट परीक्षा दोबारा करानी चाहिए। देश की सबसे बड़ी अदालत को भी 24 लाख छात्रों की

न्याय व्यवस्था में आस्था मजबूत करने के लिए तत्काल गडबडी भरी नीट 2024 को रद्द कर दोबारा परीक्षा पूरी शुचिता के साथ सम्पन्न कराने का निर्देश देना चाहिए।

आपको बता दें कि मामले में गड़बड़ी को लेकर 38 याचिकाओं पर अगली सुनवाई अब 18 जुलाई को होगी। कोर्ट ने केंद्र सरकार और एनटीए के हलफनामे पर याचिकाकर्ताओं को जवाब देने के लिए समय दिया है। सुप्रीम कोर्ट में उखककी बेंच के सामने नीट मामले की पहली सुनवाई 8 जुलाई को हुई थी। इसके बाद 11 जुलाई को अगली सुनवाई की डेट दी गई थी। कोर्ट ने 10 जुलाई की शाम तक एनटीए केंद्र सरकार, सीबीआई और रीटेस्ट की मांग कर रहेयाचिका कर्ताओं को हलफनामा दायर करने का समय दिया। इन सभी याचिकाओं को 8 जुलाई को अगली सुनवाई के लिए लिस्ट कर दिया। एग्जाम के 8 दिन बाद पेपर लीक की जांच के लिए याचिका दायर हुई। नीट कैंडिडेट शिवांगी मिश्रा ने 13 मई को सुप्रीम कोर्ट में पेपर लीक की जांच करने को लेकर याचिका दायर की। इसके बाद एनटीए ने तय डेट से 10 दिन पहले 4 जून को ही एग्जाम का रिजल्ट अनाउंस कर दिया।देशभर में 4 जून के बाद से एनटीए के खिलाफ लगातार विरोध प्रदर्शन जारी हैं। केंद्र सरकार ने 22 जून को नीट केस की जांच सीबीआई को सौंप दी। अब तक पेपर लीक केस की जांच 6 राज्यों तक पहुंच चुकी है। उइक ने बिहार से 2 और झारखंड से 5 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। गुजरात से भी 4 आरोपियों को रिमांड पर पूछताछ की जा रही है। 7 राज्यों से अब तक 42 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। बिहार से 17 गिरफ्तारियां की गई हैं। सीबीआई ने 9 जुलाई को नालंदा से एक कैंडिडेट और गया से एक कैंडिडेट के पिता को गिरफ्तार किया। बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (एडव) बिहार से 13 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।संजीव मुखिया इसका मास्टरमाइंड है, जो फरार है। 2010, 2012 और 2013 में कई परीक्षाओं के पेपर लीक मामले में भी संजीव का नाम सामने आया था।गुजरात से 6 गिरफ्तारियां है। गुजरात में 8 मई को नीट मामले में रिपोर्ट दर्ज की गई।30 जून को सीबीआई ने जय जलराम स्कूल के चेयरमैन दीक्षित पटेल को गिरफ्तार किया। तुषार भट्ट के मोबाइल चैट में 11 स्टूडेंट्स के नाम, रोल नंबर और उनके एग्जाम सेंटर्स का पता मिला था। महाराष्ट्र से 2 गिरफ्तारियां हैं। एंटी टेररिज्म स्क्वॉड (ATS) ने लातूर में रिपोर्ट दर्ज कराई, इसकी जांच उइक को सौंपी गई। ATS ने संजय जाधव और जलील पठान को अरेस्ट किया। दोनों परिषद स्कूल में टीचर हैं। झारखंड से 11 गिरफ्तारियां की जा चुकी है। 23 जून को आर्थिक अपराध शाखा ने झारखंड के देवघर से 6 लोगों को गिरफ्तार किया, जिसमें बिहार के 4 आरोपी शामिल हैं। 28 जून को सीबीआई ने झारखंड से 3 लोगों को गिरफ्तार किया। 3 जुलाई को उइकने धनबाद से अमन सिंह को गिरफ्तार किया। 6 जुलाई को सीबीआई ने धनबाद से अमित सिंह (बंटी) को गिरफ्तार किया। पश्चिम बंगाल से 1 गिरफ्तारी की गई है। 25 जून को कोलकाता पुलिस ने एक शख्स को मेरिट लिस्ट में नाम शामिल करवाने के आरोप में गिरफ्तार किया। राजस्थान से 4 गिरफ्तारदिल्ली पुलिस ने वसंत कुंज से राजस्थान के दो आरोपियों को डमी कैंडिडेट मामले में 18 जून को गिरफ्तार किया था। मुंबई पुलिस ने राजस्थान से दो छात्रों को गिरफ्तार किया था। ये अब सीबीआई की कस्टडी में हैं। उत्तराखंड से 1 गिरफ्तारी की गई है। सीबीआई ने देहरादून से 30 जून को गंगाधर गुंडे को गिरफ्तार किया। ये मसूरी का रहने वाला है। एटीएस को शक है कि टेरर फंडिंग के लिए पेपर लीक कराया गया है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने खुलासा करते हुए कहा, 'एसबीआई हजारीबाग से विभिन्न केंद्रों के लिए प्रश्नपत्रों के नौ सेट भेजे गए थे। ये सेट ओएसिस स्कूल केंद्र पर आए थे, लेकिन उनकी सील टूटी हुई थी। इसके बाद भी कर्मचारियों ने कोई अलार्म नहीं बजाया'। पटना में सीबीआई की एक गुप्त सूचना के आधार पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। उन्होंने बताया कि कुछ सबूतों के आधार पर पटना के लर्न एंड प्ले स्कूल की तलाशी ली गई थी, जहां से जले हुए कागज मिले हैं। बिहार ईओयू टीम को सॉल्वर गिरोह के ठिकाने पर छापेमारी के दौरान नीट-यूजी के जले हुए पेपर भी मिले थे। इस मामले में कई कमांड अधिकारी जांच के घेरे में हैं। सीबीआई अधिकारियों का दावा है कि इस जांच के दायरे में हजारीबाग भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के कई कमांड अधिकारी भी जांच के घेरे में हैं। इस मामले में अभी तक तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसमें स्कूल के प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल और एक पत्रकार शामिल हैं। बता दें कि ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल डॉ. एहसानुल हक हजारीबाग में नीट यूजी परीक्षा के जिला समन्वयक भी थे। इसके अलावा उप-प्रिंसिपल इम्तियाज़ आलम स्कूल के केंद्र समन्वयक थे। पकड़ा गया पत्रकार लीक हुए पेपर और स्कूल स्टाफ के बीच कड़ी का काम कर रहा था।

बता दें कि सीबीआई पूरे भारत में पेपर लीक से जुड़े छह मामलों की जांच कर रही है। बिहार में एफआईआर पेपर लीक होने से जुड़ी हुई है। इसके अलावा गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र की एफआईआर अभ्यर्थियों के प्रतिरूपण और धोखाधड़ी से जुड़ी हुई है। इस सबके बावजूद बड़े पैमाने पर कदाचार न होने की बात कहना बेमानी है। देश के सुप्रीम कोर्ट को बच्चों को न्याय देने के लिए तत्काल इस परीक्षा को रद्द कर दोबारा परीक्षा पूरी शुचिता के साथ सम्पन्न करानी चाहिए।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संक्षिप्त समाचार

नेटथियेट के 4 वर्ष ,205 कार्यक्रम और 800 से अधिक कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियां

- वायलिन और कथक फ्यूजन
- वायलिन पर राग देस की बंदिश ने मौसम को सुहाना किया

चमकता राजस्थान। जयपुर। नेटथियेट के आज 4 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं, अब तक इस मंच पर 205 सजीव कार्यक्रमों की प्रस्तुति में लगभग 800 से अधिक कलाकारों ने भाग लेकर नेटथियेट मंच का गौरव बढ़ाया। इस अवसर पर कार्यक्रम का सञ्चालन करते हुए अनिल मारवाड़ी ने बताया की पांच वर्ष पूर्ण होने पर पांच सदस्यीय जूरी द्वारा चयनित इस मंच पर प्रस्तुति दे चुके कलाकार को ''नेटथियेट व्युअर्स च्वाइस अवार्ड-2025'' से सम्मानित किया जायेगा।

नेट थिएट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि सुप्रसिद्ध वायलिन वादक गुलजार हुसैन के निर्देशन में 6 उभरते युवा कलाकारो ने वायलिन की मधुर प्रस्तुति से घनघोर घटाओं से सतरंगी बारिश के बरसने से माहौल हुआ खुशनुमा। इस अवसर पर नेट थिएट टीम एवं कलाकारों ने केक काटकर बड़े उत्साह और उल्लास के साथ 4 वर्ष पूर्ण होने का जश्न मनाया । वायलिन के इन युवा साधको ने वर्षा ऋतु मे राग देस की 9 मात्रा मे बंदिश बजाई जिसमे कोयल की कूक मोर की आवाज जैसा अहसास हुआ। इसके बाद तीन ताल द्रुत गत मे ताने, तिहाई, झाला और तबला-वायलिन की जुगलबंदी ने दर्शको का मन मोहा । इनके साथ तबले पर जेयान हुसैन ने असरदार संगत की' कार्यक्रम में कथक गुरु श्वेता गर्ग की शिष्या रक्षिता शेखावत ने नृत्य श्लोक *यो नृत्यति प्रहेष्ट्र आत्माङ्ग.*से अपने नृत्य की शुरुआत की । उसके बाद उन्होंने जयपुर घराना का शुद्ध कथक नृत्य ताल तीनताल में विलम्बित लय- थाट, परण जुड़ी आमद, चक्करदार,परण,परमेलु,द्रुत लय-चक्करदार तोड़ा,कवित्त तथा बाँट की प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्र मुग्ध किया और अंत मैं मीरा का भजन गली तो चारों बंद हुए है प्रस्तुत किया। कार्यक्रम संयोजक नवल डांगी, कैमरा मनोज स्वामी, संगीत विनोद सागर गढ़वाल और मंच सज्जा अर्जुन देव,अंकित शर्मा नोनू एवं जीवितेश शर्मा की रही।

जिला प्रभारी सचिव की अध्यक्षता में बजट घोषणाओं के त्वरित क्रियान्वयन पर समीक्षा बैठक

- राज्य सरकार के निर्देशानुसार बजट घोषणाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन हो सुनिश्चितः जिला प्रभारी सचिव

चमकता राजस्थान। धौलपुर(रामदास तरुण)। धौलपुर, 13 जुलाई को जिला प्रभारी सचिव आईएएस रोहित गुप्ता आयुक्त वाणिज्य एवं उद्योग विभाग ने कहा कि सभी विभाग राज्य सरकार की मंशा अनुरूप बजट घोषणाओं 2024-25 के त्वरित क्रियान्वयन हेतु अग्रसक्रिय ढंग से कार्य करें। जिला प्रभारी सचिव शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बजट घोषणाओं के त्वरित क्रियान्वयन के संबंध में जिला स्तरीयअधिकारियों की समीक्षा बैठक में अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। जिला प्रभारी सचिव ने सभी विभागों से बजट घोषणाओं की त्वरित क्रियान्वयन हेतु राज्य सरकार से अपेक्षित सहयोग के बारे में जानकारी ली। प्रभारी सचिव ने निर्देशित किया कि बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के लिए भूमि आवंटन संबंधी प्रक्रिया 30 जुलाई 2024 तक पूर्ण कर ली जाये। उन्होंने जिले से संबंधित सभी बजट घोषणाओं की एक-एक कर समीक्षा की और अब तक की प्रगति जानी। जिला प्रभारी सचिव ने बजट घोषणाओं के मध्यनजर संबंधित विभाग द्वारा अब तक की गई कार्यवाही के बारे में जानकारी लेते हुए जिला स्तर पर नियमित समीक्षा किए जाने हेतु कहा उन्होंने प्रत्येक विभाग को समयबद्ध लक्ष्य के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए। जिला प्रभारी सचिव ने मौजूदा कार्यों की टाइमलाइन एवं नवीन घोषणाओं को क्रियान्वयन किये जाने के लिए समय सीमा की जानकारी ली। उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के छात्रावास निर्माण, बाई पास निर्माण संबंधी कार्य पर त्वरित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया।

नोटिस प्राप्ति के बाद वन माफियो के हौंसले बुलन्द

15 जुलाई के बाद सील होगी आरा मशीन

रेन्जर ने समझाया की बन्द कर दो आरा मशीन

चमकता राजस्थान

भरतपुर (राजवीर सिंह) क्षेत्रीय वन अधिकारी कार्यालय नदबई मुख्यालय हलैना के रेन्जर राहुल फौजदार के द्वारा कार्यालय क्षेत्र में संचालित अवैध आरा मशीन बन्द करने के नोटिस थमाए जाने के बाद आरा मशीन संचालकों को बुलाया और 15 जुलाई के बाद आरा मशीन नही चलाने के निर्देश देकर जितने पेड काटे,उससे दस गुना अधिक पेड लगाने को पाबन्द किया। नोटिस एवं 15 जुलाई को आता देख वैर,भुसावर व नदबई उपखण्ड क्षेत्र के आरा मशीन मालिकों उसके बाद भी हरे पेडो की कटाई नही रोकी और ना ही आरा मशीन बन्द की। जिससे वन माफिया और अवैध आरा मशीन मालिको के हौंसले बुलन्द है।

रेन्जर राहुल फौजदार ने बताया कि ,क्षेत्रिय वन अधिकारी कार्यालय नदबई मुख्यालय हलैना क्षेत्र में अवैध आरा मशीन बन्द तथा हरे पेडों की कटाई रोकथाम को अभियान जारी है। अभियान के तहत 15 जुलाई तक आरा मशीन बन्द कर उखाडने के निर्देश देकर 45 आरा मशीन मालिकों को चिन्हित कर नोटिस थमाए जा चुके ळें नोटिस के साथ-साथ नोटिस प्राप्तकर्ता आरा मशीन मालिकों को कार्यालय बुलाया गया। जिन्हे 15 जुलाई तक आरा मशीन बन्द कर उसे उखाड देंगे को पाबन्द किया और उन्हे समझाया गया,कि जितने पेड काटे है,उससे दस गुना अधिक पेड लगाआ और ग्रामीणों से लगवाओ। कुछ आरा मशीन मालिको ने नोटिस की पालना करने तथा पौधा लगवाने की बोला है। कुछ आरा मशीन मालिक एवं वन माफियों ने पौधशाला से पौधे क्रय कर लिए। उन्होने बताया कि 15 जुलाई के बाद क्षेत्र में जहां भी आरा मशीन चालू मिली,तो उसके खिलाफ विभागीय व पुलिस कार्यवाही होगी। साथ ही जिला कलक्टर,वैर,भुसावर व नदबई के उपखण्ड अधिकारी,तहसील दार,जयपुर विद्युत वितरण निगम और वन विभाग के आलाधिकारी को पत्र भेजे जाऐंगा। जिससे उनके खिलाफ कार्यवाही हो और बिजली का कनेक्शन कट सके। उन्होने बताया कि ऐसा करने के बाद अभियान में तेजी लाई जाऐगी और 15 जुलाई के बाद सभी अवैध आरा मशीने सील कर दी जाऐगी। उन्होने बताया कि ,क्षेत्रिय वन अधिकारी कार्यालय नदबई मुख्यालय हलैना क्षेत्र के कस्वा हलैना,बेबर,पाली,भूतौली,सैन्दली,भुसावर,हतीजर,सरसैना,पथैना,खांगरी,छौंकरवाडा कला, बेरी,बाछरैन,तिलचिवी आदि गांवो में अवैध आरा मशीन चालू है।

हिमाचल की देहरा सीट से सीएम सुक्खू की पत्नी निकली आगे, जालंधर वेस्ट से आप आगे

नई दिल्ली/एजेंसी।

देश के 7 राज्यों की 13 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजे आज आएंगे। 10 जुलाई को बिहार, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और हिमाचल प्रदेश में मतदान हुआ था। शनिवार सुबह 8 बजे से मतगणना शुरू हो गई है। पंजाब में जालंधर पश्चिम विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव को मुख्यमंत्री भगवंत मान के लिए अग्निपरीक्षा के तौर पर देखा जा रहा है। यहां पर आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार मोहिंदर भगत करीब 13000 वोटों से आगे चल रहे हैं। मोहिंदर भगत को दूसरे राउंड में 18469, कांग्रेस की उम्मीदवार सुरिंदर कौर को 6871 और भाजपा के प्रत्याशी शीतल अंगुराल को

3638 वोट मिले हैं।
वहीं, हिमाचल प्रदेश की देहरा सीट पर सीएम सुक्खू की पत्नी भी आगे निकल चुकी हैं। पांचवे राउंड के बाद मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की पत्नी कमलेश ठाकुर अब 636 वोटों से आगे चल रही हैं। बता दें कि शुरुआती रुझान में पीछे चल रही थीं।
वहीं, उत्तराखंड की मंगलौर और बदरीनाथ दोनों सीटों पर हुए उपचुनाव की मतगणना जारी है। कांग्रेस दोनों ही जगह बीजेपी से आगे चल रही है। कांग्रेस प्रत्याशी लखपत सिंह बुटोला बदरीनाथ में बीजेपी के राजेंद्र भंडारी से 196 वोट से आगे चल रहे हैं। मंगलौर में कांग्रेस के काजी निजामुद्दीन आगे चल रहे हैं। दूसरे स्थान पर बसपा के उबेदुर रहमान हैं। भाजपा के करतार सिंह भड़ाना तीसरे नंबर पर चल रहे हैं।
वहीं, बिहार में पहले राउंड के बाद रुपौली विधानसभा सीट से बीमा भारती छ्ष्ठ प्रत्याशी से पिछड़ रही हैं। पश्चिम बंगाल में पहले राउंड की मतगणना के बाद त्रुरूष्ट चारों सीटों पर आगे चल रही है। मध्य प्रदेश की अमरवाड़ा सीट पर शुरूआती रुझानो में बीजेपी आगे चल रही है। छिंदवाड़ा के अमरवाड़ा उपचुनाव की काउंटिग डाक मत पत्रो से स्टार्ट हुई। फिलहाल यहां भारतीय जनता पार्टी 1700 वोटों से आगे है।

जालंधर वेस्ट सीट पर फिर चला आप का झाड़ू, मोहिंदर भगत ने 37,325 मतों से हासिल की बड़ी जीत

जालंधर/एजेंसी। जालंधर उपचुनाव में आप के उम्मीदवार मोहिंदर भगत 37325 वोटों से जीत गए हैं। भाजपा दूसरे स्थान पर, कांग्रेस तीसरे स्थान पर रही। मोहिंदर भगत को 55246 वोट मिले हैं। वहीं, कांग्रेस के सुरिंदर कौर को 16757, भाजपा के शीतल अंगुराल 17921, अकाली दल से सुरजीत कौर को 1242 व बीएसपी के बिंदर कुमार को 734 वोट मिले।जालंधर वेस्ट विधानसभा सीट शीतल अंगुराल के इस्तीफा देने के बाद खाली हुई थी। भाजपा ने उन्हें उपचुनाव में उम्मीदवार बनाया था। मोहिंदर भगत की बड़ी जीत के बाद कार्यकर्ताओं में जश्न का माहौल है। 10 जुलाई को हुई वोटिंग में यहां 54.90त्न मतदान हुआ था। इस सीट की ख़ासियत यह है कि हर बार यहां से नई पार्टी चुनाव जीतती रही है। 2012 में क्ष्छ्क्क, 2017 में कांग्रेस तो 2022 में क्क ने यहां से सीट जीती थी।

लिव-इन में रहने के लिए करवाना होगा रजिस्ट्रेशन, माता-पिता को होगी पूरी जानकारी

देहरादून/एजेंसी। उत्तराखंड के लिए 12 जुलाई का दिन बेहद खास रहा। सरकार की ओर से समान नागरिक संहिता की पूरी रिपोर्ट सार्वजनिक कर दी गई है।
देहरादून के राज्य अतिथि गृह एनेक्सी में समान नागरिक संहिता को लेकर पूर्व मुख्य सचिव शत्रुघ्न सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता की पूरी रिपोर्ट शुक्रवार को सार्वजनिक कर दी गई है। आम लोगों के लिए शाम से यूसीसी की पूरी रिपोर्ट उपलब्ध हो जाएगी, आम जनता अब इस रिपोर्ट को पढ़ सकती है। सरकार ने रिपोर्ट को पब्लिक डोमेन में उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। उत्तराखंड सरकार ने इससे पहले रिपोर्ट के मुख्य अंश ही जारी किए थे। लेकिन, शुक्रवार शाम पूरी रिपोर्ट आम लोगों के लिए उपलब्ध हो जाएगी। जिसके बाद कोई भी

व्यक्ति रिपोर्ट को वेबसाइट पर जाकर देख सकता है। उन्होंने कहा कि 'लिव इन रिलेशनशिप' में रहने वाले कपल को रजिस्ट्रेशन कराना होगा। रजिस्ट्रेशन कराने के लिए लड×का-लड×की के माता-पिता को भी सूचना सरकार की ओर से दी जाएगी। माता-पिता की अनुमति के बाद ही लिव इन रिलेशनशिप का रजिस्ट्रेशन किया जाएगा। रजिस्ट्रेशन का उद्देश्य प्रोटेक्शन देना है, किसी की प्राइवेसी भंग नहीं होगी। रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था को रुल में भी रखा जाए। 18 से 21 साल के बीच का उम्र परिपक्व नहीं होता है और प्रोटेक्शन की जरूरत है। दरअसल, उत्तराखंड की धामी सरकार ने 27 मई 2022 को यूसीसी का ड्राफ्ट तैयार करने के लिए एक पांच सदस्यीय कमेटी बनाई थी। रिटायर्ड जस्टिस रंजना देसाई की अध्यक्षता में कमेटी गठित की गई थी। कमेटी ने 43 जनसंवाद कार्यक्रम और विभिन्न माध्यमों से 2.33 लाख लोगों से यूसीसी के लिए सुझाव लिए थे। इसके बाद 2 फरवरी, 2024 को कमेटी ने सरकार को यूसीसी की रिपोर्ट सौंपी।
कमेटी की ओर से रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद मुख्यमंत्री धामी ने 7 फरवरी को यूसीसी के ड्राफ्ट को विधानसभा के पटल पर रखा। इसे विधानसभा में ध्वनि मत से पास कर दिया गया। इसके बाद उत्तराखंड यूसीसी को लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया। विधेयक को कानून बनाने के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा गया और फिर 11 मार्च को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यूसीसी विधेयक को मंजूरी दे दी।

तेलंगाना : काकतीय विश्वविद्यालय के गर्ल्स हॉस्टल में हादसा

हनुमाकोंडा/एजेंसी। तेलंगाना के हनुमाकोंडा जिले में स्थित काकतीय विश्वविद्यालय के गर्ल्स हॉस्टल में छत का कुछ हिस्सा टूटकर गिर गया। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ।
दुर्घटना काकतीय विश्वविद्यालय के पोथाना गर्ल्स हॉस्टल में घटी। शुक्रवार देर रात अचानक छत का कुछ हिस्सा भरभराकर कमरे में गिर गया। जिस समय ये घटना घटित हुई, उस समय हॉस्टल के कमरे में कोई मौजूद नहीं था। घटना की जानकारी मिलते ही रजिस्टरार मल्लारेड्डी ने पोथाना गर्ल्स हॉस्टल का दौरा किया। इस दौरान छात्राओं ने उनको घेर लिया और हॉस्टल के कमरों की हालत को लेकर नाराजगी जाहिर की। रजिस्टरार मल्लारेड्डी ने छात्राओं को शांत कराया और आश्वासन दिया कि उन्हें दूसरी इमारत उपलब्ध कराई जाएगी। दरअसल, इस हॉस्टल में घटी ये पहली घटना नहीं है बल्कि कुछ दिन पहले ही एक छात्रा के साथ हादसा हुआ था। हॉस्टल के कमरा नंबर 19 में उस पर सीलिंग फैन गिर गया था। जिससे छात्रा घायल हो गई थी उसके माथे पर 14 टांके भी लगाए गए थे। हादसे के विरोध में छात्राओं ने हॉस्टल के सामने धरना भी दिया था। उन्होंने हॉस्टल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया था। कहा था कि हॉस्टल में कई तरह की समस्याएं हैं। पुराने भवन की मरम्मत नहीं हुई है, वो जर्जर स्थिति में हैं और इनमें लगे पंखे भी ठीक नहीं हैं।
अब छत के इस हिस्से के गिरने से भी छात्राएं डरी सहमी हैं। फिलहाल इस मामले में यूनिवर्सिटी की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर के माता-पिता सहित 7 लोगों पर एफआईआर दर्ज

पुणे/एजेंसी। महाराष्ट्र की विवादित ट्रेनी आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। पुणे ग्रामीण पुलिस ने पूजा की मां मनोरमा खेडकर और पिता दिलीप खेडकर के साथ पांच अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। मनोरमा के खिलाफ मामला एक किसान को पिस्तौल से धमकाने के आरोप में दर्ज किया गया है।
एफआईआर पौड पुलिस स्टेशन में एक स्थानीय किसान की शिकायत के आधार पर दर्ज की गई है। किसान ने आरोप लगाया कि उसे मनोरमा खेडकर ने धमकाया था। पौड पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मनोज यादव ने बताया कि एफआईआर आईपीसी की धारा 323, 504, 506 के तहत दर्ज की गई है। मनोरम खेडकर पर आर्म्स एक्ट के तहत भी आरोप लगाए गए हैं।
दरअसल, एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें मनोरमा पिस्तौल लहराते हुए किसानों को धमकाती हुई नजर आ रही हैं। यह मामला पुणे के मुलशी तालुका के धडावली गांव की है जहां पूजा के पिता दिलीप खेडकर ने जमीन खरीदी है। बता दें कि पूजा खेडकर के पिता भी रिटायर्ड अफसर हैं और वह राजनीति में अपना हाथ आजमा चुके हैं।

गुरू पूर्णिमा महोत्सव एंव श्री राम कथा का शुभारंभ

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का जीवन जन जन के लिए अनुकरणीयः श्री हरि चैतन्य महाप्रभु

चमकता राजस्थान

भरतपुर (राजवीर सिंह) तीर्थराज विमल कुण्ड स्थित श्री हरि कृपा आश्रम के संस्थापक एंव श्री हरि कृपा पीठाधीश्वर व विश्व विख्यात संत स्वामी श्री हरि चैतन्य पुरी जी महाराज ने आज श्री हरि कृपा आश्रम में उपस्थित विशाल भक्त समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम मात्र हिंदुओं के ही नहीं, मात्र भारतवर्ष के ही नहीं, संपूर्ण ब्रह्मांड के नायक हैं। जन जन के लिए उनका जीवन चरित्र अनुकरणीय एवं अनुसरणीय है। माता-पिता की आज्ञा पालन, भाई भाई का प्यार, गुरु की सेवा, आज्ञा पालन व अनुसरण, समाज के पिछड़े व उपेक्षित वर्ग को गले से लगाना, मित्रता निभाना, धर्म की स्थापना के लिए अपना सर्वस्व अर्पण कर देना, अधर्म के विनाश के लिए सदैव तत्पर रहना, अधिकार की लड़ाई नहीं बल्कि कर्तव्य पालन के लिए तत्परता का संदेश। भगवान श्री राम के दिव्य प्रेरणा संदेश , उपदेश जिन्हें जीवन में अपनाकर व्यक्ति सच्चे अर्थों में एक इंसान बन सकता है। उसके अंदर मानवता,सुहृदयता, उदारता, परोपकार दयालुता,करुणा, शील, इत्यादिक दिव्य गुणों का प्रादुर्भाव होता है।

उन्होंने सभी का आवाहन किया कि विश्व के अग्रदूत हमारे प्यारे भारत वर्ष में आज अशांति दुर्भाग्यपूर्ण व चिन्ताजनक है । हम अशांति के घटक न बनें । शान्ति का साम्राज्य स्थापित करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। यहाँ शान्ति हो व विश्व शांति का संदेश भारत की पवित्र धरा से ही सारी दुनिया में पहुँचे। भारत विश्व की महान शक्ति बनकर उभर रहा है

उन्होंने कहा कि श्रद्धा हमारे अहंकार को दूर करती है। श्रद्धावश ही हम दूसरों का हृदय से सम्मान करते हैं। श्रद्धा का प्रतिफल हमें आशीर्वाद के रूप में प्राप्त होता है । श्रद्धा का परिणाम सदैव शुभदायक और मंगलकारी होता है। इसलिए श्रद्धावान व्यक्ति विषम परिस्थितियों में भी अपने आत्मबल के सहारे टिका रहता है। सच्चे श्रद्धालुओं के सभी संकल्प पूर्ण हो जाते हैं। यदि हमारा मन निर्मल है हमारी मनोभूमि में अवगुणों का प्रदूषण नहीं है। और हम दुर्व्यसनों के शिकार नहीं है तो श्रद्धा,विश्वास और प्रेम के अंकुर पल्लवित होने में देर नहीं लगती। हम शीघ्र ही श्रद्धानत हो जाते हैं।

भगवान के कृपा पात्र बन जाते हैं गीता में भगवान श्री कृष्ण ने कहा है जैसी जिसकी श्रद्धा होती है वैसा ही उसका स्वरूप हो जाता है, क्योंकि श्रद्धा सदैव अंतः करण के अनुरूप होती है ,इसलिए मनुष्य को सदैव सात्विक श्रद्धा से युक्त रहना चाहिए।

अपने धारा प्रवाह प्रवचनों से उन्होंने सभी को मंत्रमुग्ध व भाव विभोर कर दिया । सारा वातावरण ''श्री गुरू महाराज'', ''कामां के कन्हैया'' व ''लाठी वाले भैय्या'' की जय जयकार से गूंज उठा ।

श्री हरि कृपा आश्रम में गुरू पूर्णिमा महोत्सव एंव श्री राम कथा का शुभारंभ किया गया ।आश्रम में श्री महाराज जी के दर्शनों व दिव्य अमृत वचनों को सुनने के लिए लगातार भक्तों का ताँता लगा हुआ है ।

एक नजर

बिहार में मालगाड़ी के छह डिब्बे बेपटरी,पांच ट्रेनें रद्द

पटना। बिहार में दानापुर रेल मंडल के इस्लामपुर-फतुहा रेलखंड पर दनियावां के पास शुक्रवार देररात एक मालगाड़ी के छह डिब्बे पटरी से उतर गए। इस वजह से पांच ट्रेनों को रद्द करना पड़ा है। साथ ही कई ट्रेनों का रूट बदला गया है। रेलवे के कई बड़े अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं और हालात का जायजा लिया है। हादसे के बाद 03224 फतुहा-राजगीर पैसेंजर, 03395 इस्लामपुर-पटना पैसेंजर, 03237 हिलसा-फतुहा पैसेंजर, 03631 नटेसर-फतुहा पैसेंजर और 03272 पटना-इस्लामपुर पैसेंजर ट्रेन को रद्द कर दिया गया है। इस्लामपुर-नई दिल्ली मगध एक्सप्रेस को इस्लामपुर-नटेसर-राजगीर-बख्तियारपुर-फतुहा के रास्ते जबकि नई दिल्ली- इस्लामपुर मगध एक्सप्रेस का आंशिक समापन फतुहा में किया गया। इस्लामपुर-हटिया एक्सप्रेस का आंशिक प्रारंभ फतुहा से किया जाएगा। पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने कहा कि रात करीब तीन बजे फतुहा-इस्लामपुर रेलखंड के दनियावां स्टेशन के पास मालगाड़ी के छह डिब्बे पटरी से उतर गए। इससे इस रेलखंड पर ट्रेनों का परिचालन बाधित हुआ है। परिचालन को बहाल करने के लिए दानापुर से दुर्घटना राहत यान दनियावां पहुंच गई है और परिचालन को सामान्य करने के लिए काम हो रहा है।

नवादा में कुख्यात लुटेरा गिरफ्तार

नवादा। नवादा पुलिस ने लूट कांड मामले के एक आरोपित को शनिवार को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित नवादा नगर थाना क्षेत्र के मिजार्पुर निवासी जैकी मांझी है। बीते दिनों एक पार्सल डिलीवरी कर्मी ने नगर थाना में शिकायत की थी कि बीते 25 मार्च को मिजार्पुर में पार्सल डिलीवरी के दौरान दो अज्ञात लोगों ने उसके साथ मारपीट की और करीब 15 हजार रुपया लूट लिया। इस संदर्भ में नगर थाना में मामला दर्ज कर एसपी के निर्देश पर एक टीम गठित की गई। टीम ने मामले की छानबीन की और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पहचान कर एक आरोपित को गिरफ्तार किया। पुलिस पूछताछ में आरोपित ने लूटकांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। पुलिस ने बताया कि बाकि बचे आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है जल्द ही उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सर्पदंश से एक व्यक्ति की हुई मौत

भागलपुर। जिले के आमडंडा थाना क्षेत्र में सर्पदंश से एक व्यक्ति की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सांप के द्वारा काटे जाने बाद युवक की स्थिति बिगड़ने लगी। परिजन ने उसे इलाज के लिए एनटीपीसी के अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर इलाज के दौरान मौत हो गई। बताया जा रहा है की आम के बोरे में सांप छुपा हुआ था। तभी विलास राम जैसे ही आम से भरे बोरे को हटाने गया तो सांप ने उसे काट लिया। मरने वाले की पहचान विलास राम (30) के रूप में की गई है। घटना के बाद से परिजन का रो-रो कर बुरा हाल है। मृतक शादीशुदा है। मजदूरी कर अपना घर का भरण पोषण करता था। इधर, पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है।

राष्ट्रीय लोक अदालत का हुआ आयोजन

भागलपुर। भागलपुर में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय हो कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजेश नारायण सेवक पांडे ने भागलपुर से पांच मामले चिन्हित किये हैं, जिसमें पक्षकारों को नोटिस देकर बुलाया गया है। जिसमें पहले दोनों पक्षों को वीडीयो कॉन्फ्रेसिंग के जरिये बात कर सुलह कराने का प्रयास जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सदस्यों द्वारा किया जायेगा। पूरे राज्य में 120 ऐसे मामले सर्वोच्च न्यायालय द्वारा चिन्हित किये गये हैं। जिसमें पांच मामले भागलपुर जिला में निष्पादित किये जा रहे हैं। भागलपुर के कोर्ट परिसर में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत का नेतृत्व कर रहे जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने बताया कि कोई भी व्यक्ति पर मुकदमा होता है, तो उसका विकास प्रभावित होता है। जो समय वह अपने विकास के कार्यों में देता वह समय उसे कोर्ट में गुजारना पड़ता है। कोर्ट का एक केस भी किसी कर्म के दंड से कम नहीं माना जाता है। उन्होंने कहा कि एक जुलाई से लागू नये कानून के बारे में भी लोगों को जानकारी दी गई। जिला जज ने बताया कि दोनों पक्ष के जो पीड़ित है, वो आकर सुलह कर सकते हैं।

रील बनाने के दौरान दामोदर नदी में डूबी युवती

कोलकाता। रील बनाने के दौरान दामोदर नदी में डूबने से एक युवती की मौत हो गयी। एक और अभी भी लापता है। घटना अंडाल थाना क्षेत्र के मदनपुर इलाके में घटी। पता चला है कि दोपहर के समय दामोदर नदी के किनारे तीन युवतियां मोबाइल फोन पर रील बना रही थीं। अचानक वे डूबने लगे। चीख-पुकार सुनकर स्थानीय लोगों ने एक युवती को बचाया। उसके जीवित होने की बात कही जा रही है। एक अन्य युवती को बचाया गया। उन्हें दुगार्पुर महकमा अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। एक अन्य युवती अभी भी लापता है। आपदा प्रतिक्रिया दल मौके पर पहुंचा। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, अंडाल के रेल कॉलोनी नंबर 12 निवासी ज्योति प्रसाद (22) और उसकी मौसी की दो बहनें ब्यूटी पासवान (20) और प्रियंका पासवान (23) हैं। वे रांची के रहनेवाले हैं।

बंगाल की चारों सीटों पर तृणमूल ने किया क्लीन स्वीप,भाजपा ने गंवाई तीन सीटें

भाजपा के मानस कुमार घोष को 50 हजार 77 वोटों से हरा दिया

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में रिक्त हुई विधानसभा की चारों सीटों पर एक बार फिर तृणमूल ने भाजपा को तगड़ा झटका दिया है। पश्चिम बंगाल की जिन चार सीटों पर उपचुनाव हुए हैं, उन सभी पर पार्टी ने जीत दर्ज कर ली है। इनमें से तीन मानिकतला, रानाघाट दक्षिण और बगदाह दक्षिण बंगाल में हैं। रायगंज उत्तर बंगाल में है। वर्ष 2021 में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा ने राणाघाट दक्षिण, बगदाह और रायगंज से जीत हासिल की थी जबकि तृणमूल ने मानिकतला सीट पर

जीत हासिल की थी। फरवरी 2022 में पूर्व राज्य मंत्री साधन पांडे के निधन के बाद मानिकतला सीट खाली हो गई। इस बार तृणमूल ने मानिकतला सीट सुरक्षित करने के साथ सभी चार सीटें जीत लीं हैं। मतगणना के सभी दस चरणों के पूरा होने के बाद, अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार कृष्ण कल्याणी ने रायगंज विधानसभा सीट पर 85 हजार से अधिक मतों से जीत हासिल की। उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी और भाजपा उम्मीदवार मानस कुमार घोष 50 हजार से अधिक मतों से हरा दिया। रायगंज के अलावा बगदा में तृणमूल उम्मीदवार मधुपर्णा ठाकुर ने 30 हजार से अधिक मतों से हराया। राणाघाट दक्षिण सीट से तृणमूल के मुकुट मणि अधिकारी विजयी रहे। उन्होंने भाजपा के मनोज कुमार विस्वास को 39 हजार 48 वोटों से हराया। तृणमूल उम्मीदवार कृष्णा कल्याणी ने रायगंज विधानसभा सीट जीत ली है। उन्होंने भाजपा के मानस कुमार घोष को 50 हजार 77 वोटों से हरा दिया। कांग्रेस के मोहित सेन गुप्ता 23 हजार 116 वोट पाकर तीसरे स्थान पर रहे।

पार्टियों ने थोपा बाहरी प्रत्याशी अब जनता को कतई स्वीकार नहीं : जीशू

एजेंसी

सहरसा। रुपौली विधानसभा उप चुनाव से निर्दलीय उम्मीदवार शंकर सिंह की जीत पर नवनिर्वाचित विधायक जमीनी नेता शंकर सिंह को राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रदेश महासचिव शिवेन्द्र कुमार जीशू ने हार्दिक बधाई व शुभकामना दी है। उन्होंने कहा कि रूपौली क्षेत्र की मतदाताओ ने राष्ट्रीय पार्टी एवं विपक्ष के लिए भी अच्छा सबक दिया है। अब समय आ गया है योग्य उम्मीदवार, जमीन से जुड़े हुए उमीदवार को टिकट दिया जाये। पार्टियों द्वारा थोपा हूआ उम्मीदवार अब जनता को स्वीकार नहीं है। महागठबंधन उम्मीदवार बीमा भारती वहां से पांच बार विधायक रह चुकी है। जदयू उम्मीदवार कालाधर मंडल की क्षेत्र में कोई खास पकड़ नही है। अनुशंसा पर पटना से टिकट लेकर क्षेत्र में आये थे। दोनों को हार का सामना करना पड़ा है। लोकसभा चुनाव में भी जिस तरह कई जगह निर्दलीय उम्मीदवारों ने दोनों गठबंधन को दरकिनार करके अच्छा वोट लाया। पूर्णिया से पप्पू यादव तो चुनाव में जीत भी दर्ज किये। लोकसभा चुनाव का रिजल्ट एवं विधानसभा उप चुनाव का रिजल्ट यह बता रहा है की लगातार विधायक या सांसद के कुर्सी पर बैठे व्यक्ति यदि ठीक से अपने कर्तव्य का निर्वहन नही कर रहा है। वैसे कैंडिडेट या हवा-हवाई थोपे हुए कैंडिडेट को जनता स्वीकार नहीं करेगी।आने वाला राजनीतिक समय योग्य, युवा, शिक्षित,जमीन से जुड़े लोगों का होगा।

राज्य में पहली बार कॉलेज में नियमित हैम रेडियो प्रशिक्षण कक्षाएं और कार्यशालाएं शुरू

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में पहली बार किसी कॉलेज में नियमित हैम रेडियो प्रशिक्षण कक्षाएं और कार्यशालाएं शनिवार को शुरू हुईं। यह पहल पश्चिम बंगाल राज्य विश्वविद्यालय के तहत रामकृष्ण मिशन द्वारा संचालित विवेकानंद शतवार्षिकी कॉलेज (नैक के अनुसार अ++ रेटेड) में की गई है, जो उत्तर 24 परगना के राहर में स्थित है। विज्ञान विषय में स्नातक स्तर के छात्र इस प्रशिक्षण में भाग लेंगे। यह राज्य में ही नहीं, संभवतः देश में भी पहली बार हो रहा है।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन डॉ. पशुपति मंडल, दीपक चक्रवर्ती और अंबरिश नाग विश्वास द्वारा किया जाएगा। कॉलेज के प्रधानाचार्य स्वामी कमलस्थानंद महाराज ने इस अवसर पर पश्चिम बंगाल रेडियो क्लब और इंडियन अकादमी ऑफ कम्युनिकेशन एंड डिजास्टर मैनेजमेंट के सचिव

और अध्यक्ष को पत्र लिखा। उद्घाटन समारोह में स्वामी कमलस्थानंद महाराज ने कहा कि पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ यदि छात्र इस वैज्ञानिक शौक की रेडियो तकनीक को जानें और समझें, तो वे प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान को अपने कार्य में लगा सकेंगे। विशेषकर प्राकृतिक आपदाओं के समय, जब सभी टेली कम्युनिकेशन सिस्टम विफल हो जाते हैं, तब हैम रेडियो के माध्यम से संचार स्थापित कर सकते हैं और जीवन रक्षक संदेश भेज सकते हैं। डॉ. पशुपति मंडल ने कहा कि रामकृष्ण मिशन एक मिसाल कायम करने जा रहा है। यहां मेरिट के आधार पर चयनित छात्रों को पढ़ने का मौका मिलता है। डिप्टी प्रिंसिपल दीपक चक्रवर्ती ने कहा कि छात्रों को हैम रेडियो और संबंधित उपकरणों का उपयोग सिखाया जाएगा।अकादमी की सचिव रिंकू नाग विश्वास ने कहा कि उच्च प्रतिभा वाले ये छात्र यदि समाज सेवा के लिए आगे आते हैं तो इससे सभी को लाभ होगा। तीन महीने के इस कोर्स में जो पढ़ाया जाएगा, वह उनके पाठ्यक्रम में भी सहायक होगा। हम आशावान हैं कि इस पहल के बाद राज्य के अन्य कॉलेजों में भी जल्दी ही यह प्रशिक्षण कार्यशालाएं शुरू होंगी।

पर्यावरण को सुरक्षित करने के लिए वृक्षारोपण बेहद जरूरी : डीएम

एजेंसी

बेतिया। डीएम दिनेश कुमार राय की अध्यक्षता में शनिवार को मनरेगा योजना अंतर्गत चनपटिया प्रखंड के ग्राम पंचायत राज जैतिया, वार्ड नंबर 20 अवस्थित राजकीय बुनियादी विद्यालय, चौबे टोला के प्रांगण में पौधारोपण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

डीएम ने विद्यालय प्रांगण में अशोक का पेड़ लगाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके उपरांत उपस्थित अन्य अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधिगण द्वारा अशोक, महोगनी, सागवान आदि का रोपण किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि पर्यावरण को संतुलित करने के लिए पौधारोपण अत्यंत ही जरूरी है। सभी लोग कम से कम एक-एक पौधे जरूर लगाएं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी व्यक्तियों को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है।

ज्यादा से ज्यादा वृक्ष लगाकर पर्यावरण को सुरक्षित रखने में अपनी-अपनी सहभागिता दें। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने राजकीय बुनियादी विद्यालय, चौबे टोला का निरीक्षण भी किया। क्लास रूम में पढ़ रहे बच्चों से पढ़ाई और सरकार द्वारा दी जा रही अन्य सुविधाओं को लेकर फीडबैक लिया। बच्चों को अच्छे तरीके से पढ़ाई करने को कहा। साथ ही बच्चों को पढ़ा रहे शिक्षकों से भी जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस दौरान ग्रामीणों द्वारा विद्यालय की सम्पूर्ण चहारदीवारी, प्रांगण में अतिरिक्त चापाकल आदि की मांग की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को तत्क्षण चापाकल का अधिष्ठापन कराने का निर्देश दिया। साथ ही चहारदीवारी निर्माण के लिए अग्रतर कार्रवाई करने की बात जिलाधिकारी ने कही।

बिहार की रुपौली विधानसभा सीट पर उपचुनाव में निर्दलीय शंकर सिंह जीते

एजेंसी

पटना। बिहार में पूर्णिया जिले की रुपौली विधानसभा सीट पर उपचुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार शंकर सिंह ने जीत दर्ज की है। उन्होंने 8,211 वोटों से जदयू के कलाधर मंडल को हराया। शंकर सिंह को जहां 67,779 मत प्राप्त हुए, वहीं कलाधर मंडल को 59,586 मत मिले। महागठबंधन समर्थित राजद की उम्मीदवार बीमा भारती तीसरे नंबर पर रहीं। बीमा भारती को कुल 30108 वोट मिले। रूपौली उपचुनाव का परिणाम बेहद चौंकाने वाला रहा। निर्दलीय उम्मीदवार शंकर सिंह ने जदयू के उम्मीदवार कलाधर मंडल को सीधी टक्कर में मात दी। राजद उम्मीदवार बीमा भारती शुरू से ही लगातार तीसरे नंबर पर रहीं। छह राउंड के बाद निर्दलीय उम्मीदवार शंकर सिंह ने बढ़त बनायी, जिसे अंत तक बरकरार रखा। गयारहवें राउंड की गिनती के बाद शंकर सिंह को

6,838 मतों का बढ़त प्राप्त था। कुल 12 राउंड की गिनती के बाद शंकर सिंह ने जदयू के कलाधर मंडल को हराकर रूपौली सीट अपने नाम किया। शंकर सिंह को कुल 67,779 मत प्राप्त हुए जबकि जदयू के कलाधर मंडल को 59,568 वोट मिले। उल्लेखनीय है कि रूपौली से चार बार चुनाव जीत चुकीं पूर्व विधायक बीमा भारती ने जदयू का साथ छोड़कर राजद का दामन थाम लिया था। पिछले विधानसभा चुनाव 2020 में इस सीट से जदयू की टिकट पर बीमा भारती ने ही जीत दर्ज की थी। पार्टी बदलने के बाद उन्होंने विधायकी से इस्तीफा दिया था, जिससे यह सीट खाली हुई थी। बीमा भारती को राजद ने पूर्णिया लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी का टिकट थमाया लेकिन बीमा भारती की इस चुनाव में करारी हार हो गयी थी। पूर्णिया सीट से निर्दलीय उम्मीदवार पप्पू यादव सांसद बने और जदयू उम्मीदवार सह पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा दूसरे नंबर पर रहे। बीमा भारती तीसरे नंबर पर रही थीं। शंकर सिंह पूर्व में लोजपा के नेता रहे हैं। उन्होंने वर्ष 2005 में लोजपा के टिकट पर रूपौली में जीत भी दर्ज की थी और विधायक बने थे। शंकर सिंह इस दौरान कुछ ही दिनों तक विधायक रह सके। वर्ष 2010, 2015 और 2020 के चुनाव में शंकर सिंह दूसरे नंबर पर रहे। इस उपचुनाव में जब राजग में यह सीट जदयू के पास गयी तो शंकर सिंह ने चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (रामविलास) से इस्तीफा दे दिया और निर्दलीय उम्मीदवार बनकर मैदान में उतरे।

बच्चे की मौत से अस्पताल में तनाव

मुर्शिदाबाद। इलाज के बिना बच्चे की मौत के आरोपों को लेकर शनिवार को मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल में तनाव का माहौल बन गया। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, तनवीर शेख नाम के तीन साल के बच्चे को शुक्रवार शाम मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तनवीर शेख बहरमपुर थाना अंतर्गत राजधरपाड़ा इलाके का निवासी है। परिजनों का आरोप है कि भर्ती कराने के बावजूद बच्चे का कोई इलाज नहीं किया गया। अंततः बिना उपचार के अस्पताल में शनिवार सुबह बच्चे की मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही मेडिकल कॉलेज परिसर में मौजूद मरीज के परिजन विरोध प्रदर्शन करने लगे जिससे अस्पताल परिसर में तनाव का माहौल बन गया। आरोप है कि अस्पताल में ज्यादातर मरीजों का इलाज ठीक से नहीं किया जा रहा है। मृत बच्चे के एक रिश्तेदार ने कहा कि बुखार कम करने के लिए तनवीर को शुक्रवार शाम तक अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

श्रावणी मेले को लेकर प्रमंडलीय आयुक्त ने की बैठक, दिए निर्देश

एजेंसी

भागलपुर। विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला को लेकर शनिवार को भागलपुर में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रमंडलीय आयुक्त दिनेश कुमार ने की। इस दौरान प्रमंडलीय आयुक्त ने अधिकारियों के समक्ष कई बिंदुओं पर विचार विमर्श किया। बैठक में भागलपुर और बांका जिले जिले के डीएम, एसपी समेत पुलिस के वरीय पदाधिकारी भी मौजूद रहे। प्रमंडलीय आयुक्त ने बीते दिनों सुल्तानगंज अजगैबीनाथ के निरीक्षण का रिव्यू भी डीएम नवल किशोर चौधरी से लिया साथ ही श्रावणी मेला की विशेष तैयारियों पर भी चर्चा की। वहीं गंगा घाटों की स्थिति दुरुस्त करने और कांवरियों के लिए सड़क बनवाने को लेकर भी दिशा निर्देश दिया गया। उल्लेखनीय हो कि श्रावण मास से पूर्व प्रत्येक वर्ष जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन की ओर से युद्ध स्तर पर तैयारियां की जाती है। प्रत्येक वर्ष लाखों की संख्या में श्रद्धालु सुल्तानगंज अजगैबीनाथ धाम के उत्तर वाहिनी गंगा का जल लेकर बाबा की नगरी देवघर के लिए जाते हैं। इस प्रमंडल स्तरीय बैठक में सभी मुख्य बिंदुओं पर चचाएं हुई। जहां कमी हुई उसको लेकर प्रमंडलीय आयुक्त ने फौरन सुधार करने का निर्देश अधिकारियों को दिया। जबकि विधि व्यवस्था के लिहाज से पुलिस की मुस्तैदी बनी रहे इसको लेकर दोनों जिले के पुलिस कप्तान पर जिम्मेवारी सौंपी गई। बैठक के दौरान प्रमंडल के तमाम आला अधिकारी मौजूद रहे।

चौथे ईवीएम-आई कौशल पाठ्यक्रम का सफल समापन

संवाददाता

कोलकाता। एंडोवस्कुलर उपचार एक न्यूनतम इनवेसिव विकल्प है और ओपन सर्जरी का एक विकल्प है, जो आसन्न ऊतक क्षति से बचाता है और पारंपरिक प्रबंधन की तुलना में रुग्णता और मृत्यु दर को संभावित रूप से कम करता है। चौथा एंडो वैस्कुलर मैनेजमेंट-इंडिया (ईवीएम-आई) स्किल कोर्सः सीएमई सह लाइव वर्कशॉप 13 जुलाई, 2024 को कोलकाता के सॉनेट होटल और एचपी घोष अस्पताल में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस विशिष्ट कार्यक्रम में, एंडोवास्कुलर प्रबंधन में नवीनतम प्रगति पर ध्यान केंद्रित करते हुए, पेशेवरों के लिए एक व्यापक सीखने का अनुभव प्रदान किया।

डॉ. जयंत दास और डॉ. के. मुखर्जी द्वारा संचालित कार्यशाला में वैरिकोज वेन और वेनस लेग अल्सर (वीएलयू) प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को शामिल किया गया। परिधीय धमनी रोग (पीएडी) प्रबंधन (एंजियोप्लास्टी और स्टेंटिंग), संपीड़न वस्त्र और उपकरण, और घाव प्रबंधन। प्रतिभागी व्यावहारिक सिमुलेशन स्टेशनों में लगे हुए हैं, चिकित्सा उपकरणों और हार्डवेयर, एंडोवेनस एब्लेशन, एंजियोप्लास्टी और स्टेंटिंग, और संवहनी में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर रहे हैं। क्रर्यक्रम में संवहनी अल्ट्रासाउंड सिद्धांत और व्यावहारिक अनुप्रयोगों, आंतरिक जुगुलर (आईयूवी), ऊरु और पॉप्लिटियल नसों के अल्ट्रासाउंड-निर्देशित पंचर, और मेडिकल स्टॉकिंग्स और चार-परत संपीड़न स्टॉकिंग्स के उपयोग पर सत्र शामिल थे। प्रतिभागियों को वैरिकाज नसों के उपचार में प्रशिक्षण भी प्राप्त हुआ, जिसमें एंडोवेनस लेजर थेरेपी (ईवीएलटी), रेडियोफ्रीक्वेंसी (आरएफ) एब्लेशन, फोमा स्क्लेरोथेरेपी, ग्लू क्लोजर और मैकेनिकल ऑक्लूजन केमिकल असिस्टेड एब्लेशन (एमओसीए) शामिल हैं। अतिरिक्त विषयों में परिधीय एंजियोप्लास्टी और स्टेंटिंग, छिद्रक नसों को बंद करना, पमार्कैथ और केमोपोर्ट सम्मिलन, उन्नत फोम स्क्लेरोथेरेपी, इंट्रावास्कुलर अल्ट्रासाउंड (आईवीयूएस) और गहरी शिरापरक हस्तक्षेप, अल्ट्रासाउंड-निर्देशित धमनीविस्फार (एवी) फिस्टुला एंजियोप्लास्टी, और धमनीशिरा संबंधी विकृतियों के लिए हाइब्रिड उपचार शामिल हैं।

कार्यशाला में दुनिया भर से प्रतिष्ठित संकाय सदस्य शामिल हुए, जिनमें डॉ. मोगन नायडू (मलेशिया), डॉ. रजनी कासिम (श्रीलंका), डॉ. शांतनु घोष (बांग्लादेश), डॉ. संदीप पांडे (नेपाल), डॉ. रावुल जिंदल (चंडीगढ़), और डॉ. दीपक सेल्वराज (सीएमसी वेल्लोर) और कई अन्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संकायों के विविध दृष्टिकोण और व्यापक अनुभव ने इस कार्यक्रम को समृद्ध किया, जिससे एंडोवास्कुलर प्रबंधन की व्यापक समझ प्रदान की गई।

डीआइजी ने फारबिसगंज एसडीपीओ कार्यालय का किया निरीक्षण

एजेंसी

फारबिसगंज/अररिया। पूर्णिया प्रक्षेत्र के डीआइजी विकास कुमार ने फारबिसगंज अनुमंडल कार्यालय परिसर में स्थित फारबिसगंज एसडीपीओ कार्यालय का निरीक्षण शनिवार को किया । एसडीपीओ कार्यालय में उन्हें पुलिस बलों द्वारा सबसे पहले गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। गार्ड ऑफ ऑनर के बाद डीआइजी विकास कुमार फारबिसगंज एसडीपीओ के कार्यालय कक्ष में पहुंचे व एसडीपीओ के कार्यालय का निरीक्षण करते हुए अभिलेखों को देखें। डीआइजी ने एसडीपीओ के कार्यालय के निरीक्षण के क्रम में फारबिसगंज अनुमंडल क्षेत्र के

महत्वपूर्ण लंबित कांडों की समीक्षा करते हुए लंबित कांडों का त्वरित निष्पादन करने व विधि व्यवस्था व सुरक्षा व्यवस्था सहित अपराध नियंत्रण को लेकर चर्चा किये और महत्वपूर्ण दिशा निर्देश भी दिए। उन्होंने फारबिसगंज में आगामी 17 जुलाई को होने वाले मुहर्रम पर विधि व्यवस्था व सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सभी पुलिस पदाधिकारियों के साथ समीक्षा की बैठक की। फारबिसगंज एसडीपीओ कार्यालय के निरीक्षण के बाद विकास कुमार ने कहा कि हमने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी फारबिसगंज के कार्यालय का निरीक्षण दौरान लंबित महत्वपूर्ण कांडो की समीक्षा भी की है।

कब जरूरी है करियर काउंसलिंग

कई बार बच्चे अपने करियर को लेकर काफी कन्फ्यूज होते हैं। करियर की सीढ़ी में आगे बढ़ने के लिए कई बार वे कुछ चाहते हैं, पेरेंट्स की अलग अपेक्षाएं होती है तो रिश्तेदारों और दोस्तों से मिली सलाह कुछ अलग ही होती है। ऐसी स्थिति में जब बहुत ज्यादा कंफ्यूजन हो तो करियर काउंसलिंग की ज्यादा जरूरत होती है। हम कई बार काउंसलिंग को इग्नोर कर देते हैं। हमें लगता है हम सब जानते हैं लेकिन ऐसा नहीं है। करियर काउंसलिंग का सही समय वह हे जब बच्चे आगे की राह चुनने की दहलीज पर होते हैं। 10वीं के बाद उन्हें स्ट्रीम चूज करना होता है और ऐसे समय में सबसे ज्यादा गाइडेंस की जरूरत होती है। इसलिए पेरेंट्स को समझना चाहिए कि इस फेज में बच्चों को करियर से जुड़ा मार्गदर्शन उपलब्ध कराएं। इससे सही विषय चुन पाएंगे और करियर की पटरी सही बैठेगी। अगर सही विषय चयन नहीं किया गया तो पूरा करियर यू टर्न ले सकता है। इसलिए प्रोफेशनल काउंसलर की मदद लें जो मनोवैज्ञानिक तरीके से छात्र से संवाद करे और साइकोमेट्रिक टेस्ट के आधार पर छात्र की प्रतिभा को समझ सकें।

इसलिए है जरूरी

पेरेंट्स को यह समझना जरूरी है कि बच्चे का इंटरेस्ट किस विषय में है और वह किस तरह परफॉर्म कर रहा है। अपनी पसंद न थोपें। यह भी जानें कि किन विषयों में उसका मन नहीं लगता। इस तरह से पेरेंट्स करियर के चुनाव में मदद कर सकते हैं। बच्चे के रिजल्ट से यह फैसला करने की बजाए, उसकी पसंद को जानें। अगर गलत फैसला हुआ तो आगे चलकर वह परफॉर्म नहीं कर पाएगा और तनाव में घिरा रहेगा।

ऐसे न लें फैसले

यह कतई जरूरी नहीं है कि साइंस में 90 या 100 फीसदी अंक लाने वाला छात्र साइंस स्ट्रीम ही पसंद करे। हो सकता है उसकी रूचि गणित में न हो क्योंकि 10वीं के बाद पढ़ाई का लेवल अचानक हाई हो जाता है और अगर स्टूडेंट की रूचि उसमें न हो तो उसका प्रदर्शन प्रभावित होने लगता है। काउंसिलिंग में इन्हीं बातों को पैरेंट्स को समझाने की कोशिश की जाती है।

मार्केट ट्रेंड की जानकारी

काउंसिलिंग का एक सबसे बडा फायदा यह भी है कि काउंसिलर आपको वैसे सब्जेक्ट या उभरते क्षेत्रों के बारे में भी बताते हैं जिनसे आप अनजान होते हैं। आप ने उस फील्ड के कभी सोचा ही नहीं होता है। मार्केट ट्रेंड में बताते हैं और इन सबसे ऊपर आपको इंस्टीट्यूट चुनने में मदद करते हैं। सब्जे पसंद का होने से आप अपनी पसंद की बढ़ तो सकते हैं, लेकिन इस गला काट प्रतियोगिता के जमाने में अच्छे इंस्टीट्यू चुनाव करके ही आप दूसरों पर बढते ले हैं। आज मैनेजमेंट में कई नए सब्जेक्ट हैं। इसी तरह लॉ का क्षेत्र बढ़ गया है। पै टेक्नॉलजी का बुखार और खुमार तो है ही, खेल के क्षेत्र में हो रहे सुधार और कमाई से ऑप्शन पर भी उभरे हैं।

12वीं के बाद कर सकते हैं पॉलीमर साइंस में बीटेक

मौजूदा तकनीकी दौर में पॉलीमर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। इनमें प्लास्टिक, मोल्डेड सामग्री, सिंथेटिक फाइबर, रबर आदि शामिल हैं। ईको-फ्रेंडली और रीसाइक्लेबल प्लास्टिक के साथ इन सभी पॉलीमर प्रोडक्ट्स के उचित प्रबंधन की आवश्यकता भी समय के साथ बढ़ रही है। यह काम पॉलिमर इंजीनियर्स करते हैं। वे प्लांट डिजाइन, प्रोसेस डिजाइन और थर्मोडाइनेमिक्स के सिद्धांतों का उपयोग करते हैं। विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पॉलीमर साइंस में बीटेक के बाद करियर अवसर के बारे में जानकारी देंगे-

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के अवसर

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद आप सरकारी फर्मों जैसे सेंट्रल ग्लास एंड सिरेमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राउरकेला और सेंट्रल साल्ट एंड मरीन केमिकल्स रिसर्च इंस्टीट्यूट आदि में बतौर जूनियर रिसर्च फेलो काम कर सकते हैं। इन फेलोशिप कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को NTA द्वारा आयोजित UGC-NET और UGC-CSIR राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता है। कुल मिलाकर कम से कम 55% अंकों के साथ एम टेक डिग्री प्राप्त करने के बाद कोई भी नेट के लिए बैठ सकता है। जिन उम्मीदवारों ने अपनी बी टेक डिग्री में 60% अंक प्राप्त किए हैं, वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में वैज्ञानिक या इंजीनियर के रूप में 40,000/- रुपये के मासिक वेतन के साथ काम कर सकते हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन भी वैज्ञानिक बी पद की भूमिका में पॉलिमर इंजीनियरिंग स्नातकों की भर्ती करता है। इनके अलावा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड (बीसीपीएल) जैसे संगठन भी पॉलिमर इंजीनियरिंग में बी टेक स्नातकों को नियुक्त करते हैं। इनके अलावा स्नातक डिग्री धारक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, ऑयल इंडिया लेबोरेटरीज, पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग प्लांट्स और ऑयल एंड नेचुरल गैस कमीशन (ओएनजीसी) आदि विभागों में भी रोजगार पा सकते हैं। उम्मीदवार विभिन्न इंजीनियरिंग संस्थानों में लेक्चरर पद का विकल्प भी चुन सकते हैं।

विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं।

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद निजी क्षेत्र के अवसर

जर्मन आधारित कंपनी विंडमोलर एंड होल्शर, अक्सर अपने मैकेनिकल इंजीनियरिंग अनुभाग में संचालन करने के लिए पॉलिमर इंजीनियरों की भर्ती करती है। 7 से 8 साल के कार्य अनुभव वाले लोग एलाइड सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में सेल्स/बिजनेस डेवलपमेंट सेक्शन में जा सकते हैं। यहाँ आप 35,000/- से रु। 50,000/- प्रति माह तक की सैलरी पा सकते हैं। अपोलो टायर्स लिमिटेड, सिएट लिमिटेड आदि जैसी टायर कंपनियों को भी पॉलिमर इंजीनियर्स की जरूरत है। पॉलीमर इंजीनियरिंग में स्नातकों के लिए क्वालिटी इंजीनियर, प्रोडक्शन इंजीनियर्स/टेक्नोलॉजिस्ट, पॉलिमर स्पेशलिस्ट आदि सामान्य जॉब प्रोफाइल हैं।

जॉब के लिए अप्लाई करने से पहले अपने पुराने सीवी को करें अपडेट

सीवी में दी गई जानकारी के आधार पर ही एंपलॉयर आपको जज कर पाता है। खुद को दूसरों से अलग बनाने के लिए आपको सिरी को सही फॉर्मेट में बनाना बेहद जरूरी है। इसके साथ ही आपको अपने सीवी को अपडेटेड भी रखना चाहिए। जब भी आप किसी कंपनी में जॉब के लिए अप्लाई करते हैं तो आपसे सबसे पहले आपका सीवी या रेज्यूमे मांगा जाता है। इसमें आपकी पिछली कंपनी में आपकी पोजिशन, आपकी स्किल्स और अनुभव आदि की जानकारी होती है। इसी जानकारी के हिसाब से एंप्लॉयर आगे की प्रक्रिया शुरू करते हैं या रिजेक्ट करते हैं। सीवी में दी गई जानकारी के आधार पर ही एंपलॉयर आपको जज कर पाता है। खुद को दूसरों से अलग बनाने के लिए आपको सिरी को सही फॉर्मेट में बनाना बेहद जरूरी है। इसके साथ ही आपको अपने सीवी को अपडेटेड भी रखना चाहिए।

आमतौर पर कोई भी उम्मीदवार अपनी बीवी को अपडेट तभी करता है जब वह किसी दूसरी नौकरी की तलाश में होता है। ऐसे में अगर एक नौकरी से दूसरी के बीच अवधि ज्यादा होती है तो सीवी में कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स को अपडेट करना छूट जाता है। इसलिए आप अपनी कंपनी में जब भी किसी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट को पूरा करें तो उसे उसी समय अपने सीवी में जरूर अपडेट कर लें। आप जिस भी प्रोजेक्ट के बारे में अपने सीवी में जिक्र कर रहे हैं, उसे पूरा करते वक्त आपको क्या कठिनाई आई इसका जिक्र जरूर करें। इससे एंप्लॉयर को यह विश्वास मिलेगा कि आप काम करते समय सिर्फ कंफर्ट जोन नहीं तलाशते हैं। इसके साथ ही, प्रोजेक्ट पर कितने लोगों ने क्या काम किया और आपकी क्या भूमिका रही इसकी जानकारी भी सीवी में जरूर दें।

अधिकतर लोगों को रेज्यूमे और सीवी के बीच अंतर नहीं मालूम होता है। आपको बता दें कि रेज्यूमे अधिकतम 2 पन्नों का होता है वहीं सिविल अधिकतम 5 पन्ने का होता है। इसलिए कंपनी आपसे जो मांगे, वही भेजें।

सीवी आमतौर पर ऑफिसर लेवल का होता है। इसमें सब कुछ डिटेल में लिखा होता है। वहीं, रेज्यूमे आमतौर पर शुरुआती नौकरियों के लिए होता है। इसमें स्किल्स, क्वालिफिकेशन आदि की जानकारी संक्षिप्त में लिखी होती है। अधिकांश इंटरव्यू के लिए एंप्लॉयर्स सीवी ही मांगते हैं।

सक्सेस के लिए बनाएं रखें मार्केटिंग एटीट्यूड

शक नहीं कि सफल होने के कड़ी मेहनत करना चाहिए र इसे बिना किसी उद्देश्य और ड के किया जाए तो यह मेहनत व्यर्थ ही जाएगी। मार्केटिंग में करियर बनाने के लिए आपको मेहनत के साथ सही एटीट्यूड रखना जरूरी है।

सकारात्मक सोच के साथ अगर आप आगे बढेंगे तो कंपनी की साख भी बना पाएंगे और अपना करियर उज्जवल करेंगे। दिन-रात अपने टारगेट पूरा करने में आप लगे रहते हैं लेकिन कुछ ऐसी ही स्किल्स की कमी के चलते यह पूरा करने से चूक जाते हैं। लेकिन अगर बार-बार आपके साथ ऐसा हो तो आप निराश हो सकते हैं। इसके कारण आप खुद में ही कमी ढूंढेंगे कि शायद आप इसके लायक नहीं। सबसे पहली बात तो आपको आपके क्षेत्र, उत्पाद, कंपनी और मार्केटिंग टूल्स की पूरी जानकारी होनी चाहिए। आपको जितना नॉलेज होगा, आपमें कॉन्फिडेंस उतना रहेगा।

पैशन

अगर आपको अपने काम को लेकर जुनून नहीं है तो शक है कि आप जो मुकाम चाहते हैं, वह हासिल हो। पैशन होने से आपके अंदर और भी कई स्किल्स स्वतः ही आ जाते हैं जिसके कारण आप सफलता की सीढ़ियां चढ़ते हैं। पैशन होने से आप राइट एटीट्यूड अपने आप ही आ जाएगा।

अप्रोच

मार्केटिंग ही नहीं, किसी भी क्षेत्र में आपकी अप्रोच बहुत मायने रखती है। इसलिए मार्केटिंग जॉब को लेकर आपकी अप्रोच पॉजिटिव, टू द पॉइंट और रिजल्ट ओरिएंटेड होना चाहिए।

एक्साइटमेंट

जो भी काम करें उसमें एक्साइटमेंट डाले। छोटे से छोटे से काम को लेकर आप अगर उत्साही रहेंगे तो उसका रिजल्ट सोच से कहीं बेहतर होगा। ऐसे आप लोगों में भी उत्साह का संचार कर पाएंगे। लोगों के बीच आपका उत्साह इम्प्रेसिव ही होगा।

कॉन्फिडेंस

आपको हर हाल में न केवल खुद पर, बल्कि अपने क्लाइंट पर भी पूरा भरोसा होना चाहिए। यह आत्मविश्वास ही है, जिसे सफलता की कुंजी कहा जाता है।

चेंज

मार्केटिंग एक ऐसा क्षेत्र है, जहां हमेशा चेंज की गुंजाइश बनी रहती है। क्योंकि यहां आपका पहला मकसद होता है क्लाइंट को संतुष्ट करना और ज्यादा-से-ज्यादा क्लाइंट्स जोड़ना। इसलिए जब भी लगे कि अमुक तकनीक में बदलाव की जरूरत है, आपको तत्काल उस तकनीक को अपना लेना चाहिए।

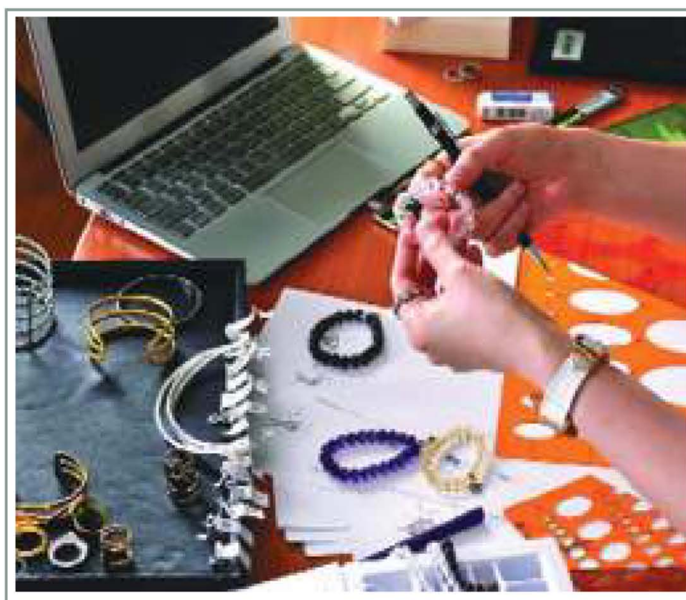

ज्वैलरी डिजाइनिंग के करियर में इस तरह बढ़ें आगे

भारत गोल्ड का सबसे बडा उपभोक्ता है और यहां जेम्स एंड ज्वैलरी के लिए बेहतर सुविधाएं भी मौजूद है। एक तथ्य यह भी है कि जयपुर को विश्व के सबसे बडे जेम्स कटिंग सेंटर के रूप में जाना जाता है। हालांकि, जयपुर के साथ-साथ सूरत, मुंबई, दिल्ली, अहमदाबाद आदि शहरों में जेम्स एंड ज्वैलरी के विशाल एक्सपोर्ट हाउसेज मौजूद हैं। यही कारण है कि देश के कुल निर्यात में जेम्स एंड ज्वैलरी सेक्टर का सबसे महत्वपूर्ण योगदान होने से आज भारतीय कारीगरों की बनाई ज्वैलरी को विदेशों में काफी पसंद किया जा रहा है।

समय ने बदली धारणा

वैश्वीकरण के इस दौर में युवतियों में जिस तरह फैशनेबल कपड़ों का क्रेज बढ़ रहा है। फैशन में हो रहे बदलावों ने ज्वैलरी का सारा आकर्षण तरह-तरह की डिजाइनों में केंद्रित कर दिया है। समय की बयार के साथ समाज की यह पारंपरिक तस्वीर तेजी से बदल रही है।

स्किल्स

जेमोलॉजी कोर्स के अंतर्गत जेम्स की पहचान, उसकी रंगत, धातु की पहचान, ड्राइंग टेक्निक्स, डिजाइन मेथोडोलॉजी, कम्प्यूटर ऐडेड डिजाइन आदि पहलुओं का अध्ययन किया जाता है। जेमोलॉजी में डिग्री (तीन-वर्षीय), डिप्लोमा (दो-वर्षीय) और सर्टिफिकेट कोर्सेज (एक साल) के साथ-साथ ट्रेंड प्रोफेशनल्स के लिए कुछ स्पेशलाइज्ड कोर्सेज भी उपलब्ध हैं। इन स्पेशलाइज्ड कोर्सेज की अवधि छह माह से छह हफ्ते तक की हो सकती है।

योगयता

यदि आप जेम्स एंड ज्वैलरी डिजाइन के क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं, तो इसके लिए आपको कोई खास शैक्षिक योग्यता नहीं जुटानी पडेगी। यदि आप बारहवीं पास या ग्रेजुएट भी हैं, तो आपके लिए इस सेक्टर में बेहतर संभावनाएं मौजूद हैं। यदि आप बारहवीं पास हैं, तो डिग्री कोर्स में और यदि ग्रेजुएट हैं, तो डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स करने के बाद इस क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं। आपकी अंग्रेजी और कम्युनिकेशन स्किल्स बहुत अच्छी होनी चाहिए। यदि यह गुण आपमें हैं तो इससे बेहतर दूसरा क्षेत्र संभवतः आपके लिए बना नहीं है।

करियर संभावनाएं

उदारीकरण के बाद भारत के इस उभरते सेक्टर को एक नया आयाम मिला है। दरअसल, जमोलॉजी के क्षेत्र में दबदबा रखने वाली दुनिया की बडी-बडी कंपनियां भारत में तेजी से अपनी शाखाएं खोल रही हैं। कहते हैं, जिस सेक्टर में जितनी तेजी से विकास होता है, उसे और विकसित करने के लिए ट्रेंड प्रोफेशनल्स की जरूरत अनिवार्य रूप से होती है। इस लिहाज से देखें, तो जेम्स एंड ज्वैलरी सेक्टर भी अछूता नहीं रहा है, जहां आज भारी संख्या में ट्रेंड प्रोफेशनल्स की जरूरत महसूस की जा रही है। जहां तक इस क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं की बात है, जेमोलॉजी का कोर्स कर लेने के बाद आपको प्राइवेट एक्सपोर्ट हाउसेज, ज्वैलरी डिजाइनिंग एंड कटिंग फर्म्स और इससे जुडी कंपनियों में काफी आकर्षक जॉब मिल सकते हैं। इसके अलावा, यदि आप अपना बिजनेस शुरू करना चाहते हैं, तो संबंधित क्षेत्र में अनुभव और कौशल प्राप्त करने के बाद अपनी खुद की रिटेल, होलसेल या ज्वैलरी-शॉप्स खोल कर अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं।

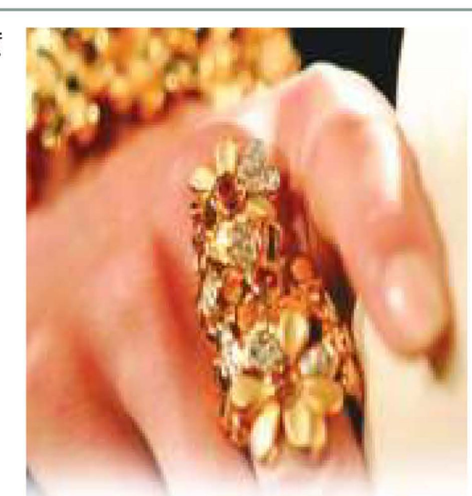

जॉब ऑप्शंस

- ज्वैलरी-डिजाइनर
- रिसर्चर
- प्रोडक्ट डेवलपमेंट ऑफिसर
- मर्केडाइजर
- सेल्स एंड मार्केटिंग प्रोफेशनल
- कंसल्टेंट
- कैड-डिजाइनर

एक नजर

क्षेत्रीय भाषाओं में होनी चाहिए कानून की पढ़ाई : न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़

लखनऊ। भारत के मुख्य न्यायाधीश डॉ. डीवाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को लखनऊ के डॉ राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में लॉ की पढ़ाई को क्षेत्रीय भाषा में कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अक्सर देश के तमाम शिक्षाविदों से विचार विमर्श करता हूं कि कैसे कानून की पढ़ाई को सरल भाषा में पढ़ाया जा सके। अगर हम कानून के सिद्धांतों को सरल भाषा में आम जनता को नहीं समझा पा रहे हैं तो इसमें कानूनी पेशे और कानूनी शिक्षा की कमी नजर आ रही है। डॉ. डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि कानून को पढ़ाने की प्रक्रिया में हमें क्षेत्रीय भाषाओं को भी ध्यान में रखना चाहिए। आरएम एनएलयू को जरूर हिंदी में एलएलबी कोर्स शुरू करना चाहिए।

सड़क हादसे में युवक की मौत, दो घायल

मीरजापुर। संतनगर थाना क्षेत्र के कलवारी लालगंज संपर्क मार्ग पर मुस्कीरा गांव के पास शुक्रवार देर रात मार्ग दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को मंडलीय चिकित्सालय रेफर किया गया। कुकही गांव निवासी नीरज (25), सूरज (19) और शंभू (35) शुक्रवार देर रात एक ही बाइक से दीपनगर से अपने घर जा रहे थे। मुस्कीरा गांव के पास हुए सड़क हादसे में तीनों गम्भीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची संतनगर पुलिस ने घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पटेहरा पहुंचाया, जहां चिकित्सक डा. वाजिद जमील ने नीरज को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल शंभू व सूरज को मंडलीय चिकित्सालय रेफर कर दिया। पुलिस ने मृतक के परिवार को हादसे की जानकारी देते हुए शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कारोबारी के ऑफिस के सामने हवाई फायरिंग, आरोपितों की तलाश में जुटी पुलिस

रायपुर। रायपुर के थाना तेलीबांधा थानांतर्गत शनिवार सुबह पचपेड़ीनाका से तेलीबांधा के बीच सर्विस रोड में दो मोटरसाइकिल सवार व्यक्तियों ने एक कारोबारी के ऑफिस के सामने हवाई फायरिंग कर दी, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और नाकेबंदी कर जांच कर रही है। पुलिस को प्रारंभिक जांच में पता चला है कि इस घटना को अंजाम देने वाले झारखंड के एक गैंग के सदस्य हो सकते हैं। उल्लेखनीय है कि रायपुर पुलिस ने इसी गैंग को कुछ दिनों पहले रायपुर में एक अन्य घटना को अंजाम देने से पहले गिरफ्तार कर लिया था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपितों की तलाश जारी है। घटना सुबह लगभग 11 बजे की बताई जा रही है। हालांकि इस घटना में किसी के हताहत नहीं हुआ है। कोयला कारोबारी सुरक्षित है।

युवक ने डीएम से बुलडोजर छोड़वाने की लगाई गुहार

कौशांबी। चरवा थाना क्षेत्र के एक बुलडोजर (जेसीबी) संचालक ने सर्किल अफसर व खान अधिकारी पर उत्पीड़न का आरोप लगाकर डीएम से शिकायत की है। पीड़ित युवक ने जिलाधिकारी मधुसूदन के सामने रोकर बुलडोजर की एक लाख रुपये की महीने की किस्त न जमा कर पाने की बात कहकर इंसाफ मांगा। डीएम ने पीड़ित की फरियाद सुनकर खान अधिकारी ने पीड़ित से संबन्धित फाइल तलब की है। चरवा के कलापत का पूरा गांव में राजू पुत्र नोखे लाल रहते हैं। राजू ने एक साल पहले बुलडोजर (जेसीबी) खरीदा। राजू के मुताबिक उनके बुलडोजर खरीदने पर क्षेत्र के एक बुलडोजर संचालक उससे रंजिश रखने लगा।

दोमंजिला स्कूल का बड़ा हिस्सा गिरा, 22 की मौत

अबुजा (नाइजीरिया)। अफ्रीकी देश नाइजीरिया में सेंट अकादमी स्कूल की दोमंजिला इमारत का बड़ा हिस्सा ढहने से 22 विद्यार्थियों की मौत हो गई और 132 घायल हो गए। यह हादसा उत्तर-मध्य नाइजीरिया के पठार राज्य की राजधानी जोस में शुक्रवार सुबह करीब 9:20 बजे हुआ। नाइजीरिया के समाचार पत्र नाइजीरियन ट्रिब्यून और द नेशन की रिपोर्ट्स के अनुसार, यह स्कूल बुसा बुजी ब्रिज के सामने स्थित है। त्रासदी के वक्त विद्यार्थी सालाना परीक्षा दे रहे थे। हताहत विद्यार्थियों में 15 साल से कम उम्र के बच्चे शामिल हैं। घायल बच्चों का इलाज बिंघम टीचिंग अस्पताल में चल रहा है।

आकाशीय बिजली गिरने से ट्रांसफार्मर फुंका

जालौन। जालौन के कोंच तहसील क्षेत्र के ग्राम इटौरा में विद्युत सप्लाई के लिए 63 केबीए का ट्रांसफार्मर रखा हुआ है, जिससे ग्राम में विद्युत सप्लाई होती थी। दो दिन पहले आकाशीय बिजली उक्त ट्रांसफार्मर पर गिर गयी, जिससे विद्युत ट्रांसफार्मर फुंक गया और विद्युत सप्लाई बाधित हो गयी। इस उमस भरे मौसम में विद्युत बाधित होने से ग्रामीण परेशान हो रहे हैं। ग्रामीणों ने शनिवार को एसडीएम ज्योति सिंह को शिकायती पत्र देकर फुके हुए ट्रांसफार्मर को बदलवाने की मांग की है।

जांच के दौरान प्रक्रिया का पालन नहीं तो सजा आदेश की स्थिरता संदिग्ध हो जाती है : हाई कोर्ट

न्यायाधीश पंकज की याचिका स्वीकार, दंड आदेश रद्द

प्रयागराज। एजेंसी

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक न्यायिक अधिकारी के मामले पर विचार करते हुए कहा कि यदि किसी दोषी अधिकारी के खिलाफ जांच स्तर पर प्रक्रियागत जरूरी नियमों का पालन नहीं किया गया है तो उसके आधार पर बाद में पारित दंड आदेश की वैधता पर प्रश्नचिह्न उठाया जा सकता है। जस्टिस सौमित्र दयाल सिंह एवं जस्टिस दोनादी रमेश की खंडपीठ ने न्यायाधीश पंकज की याचिका स्वीकार करते हुए कहा कि जांच के दौरान प्रक्रियागत आवश्यकताओं का पालन न करना दंड आदेश की वैधता के बारे में गम्भीर चिंता पैदा करता है। यह जरूरी है कि अनुशासनात्मक प्रक्रिया इस तरह से की जाए कि

प्रभावित पक्षों को अपना मामला पेश करने, आरोपों का जवाब देने और खुद का बचाव करने का उचित अवसर मिले। कोर्ट ने इसी के साथ दंडादेश रद्द कर दिया। याची का 2018 से इन्क्रीमेंट रोक दिया गया था। याची को सिविल जज के रूप में चयनित किया गया और जिला मऊ में उसे तैनाती मिली। उनकी सेवा सरकारी कर्मचारी (सेवा और आचरण) नियम, 1956, यूपी सरकारी कर्मचारी (अनुशासन और अपील) नियम, 1999 से शासित होती है। सेवा में भर्ती होने के तुरंत बाद याची को सोशल मीडिया पर प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित प्रश्नों वाले कई संदेश मिले। याचिकाकर्ता को संदेश भेजने वालों ने बाद में न्यायिक अधिकारी के खिलाफ 26 दिसम्बर 2018 को शिकायत दर्ज कराई।

याची ने 16 जनवरी 2019 को अपना जवाब प्रस्तुत किया और 17 अक्टूबर 2019 को इसे रजिस्ट्रार जनरल, इलाहाबाद हाई कोर्ट को भेज दिया। याची को आरोप पत्र जारी किया गया और जिला न्यायाधीश, मऊ को याची के मामले में जांच अधिकारी नियुक्त किया गया। आरोप पत्र में अन्य बातों के अलावा आरोप लगाया गया कि याचिकाकर्ता ने प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में मदद करने के बहाने शिकायतकर्ता (एबीसी) के साथ बलात्कार किया था। आरोप के जवाब में याची ने 24 अगस्त 2019 को अपना जवाब पेश किया। उन्होंने आरोपों से इनकार किया और शिकायतकर्ता के बारे में तथ्य रिकॉर्ड पर लाए। जांच अधिकारी ने 03 दिसम्बर 2019 को अपनी रिपोर्ट पेश की, जिसके द्वारा याची को बलात्कार के मुख्य आरोप से मुक्त कर दिया गया। हालांकि, सोशल मीडिया पर एक अज्ञात महिला का फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार करने, उसकी संदिग्ध तस्वीरें दिखाने और उसे पैसा हस्तांतरित करने के सम्बंध में उनके खिलाफ प्रतिकूल टिप्पणियां की गईं। जांच रिपोर्ट के साथ याची को एक पूरक नोटिस जारी किया गया। याची ने 13 जनवरी 2020 को जवाब प्रस्तुत किया, और उसके खिलाफ 13 मई 2022 को आदेश पारित कर दिया गया।

शांति, प्रेम और सद्भावना से ही सतयुग का लक्ष्य संभव : सुदेश

हरिद्वार। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के रुड़की सेवा केन्द्र पर वैश्विक संस्कृति, प्रेम, शांति, सद्भावना विषय पर आयोजित एक संगोष्ठी में माउंट आबू से आई ब्रह्माकुमारीज संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका सुदेश दीदी ने कहा कि विश्व में शांति, प्रेम, सद्भावना स्थापना से ही हम सतयुग के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि विश्व में शांति, प्रेम, सद्भावना की स्थापना तभी हो सकती है, जब हम सबके मन में शांति, प्रेम का बीज बोया होगा। मन में शांति व प्रेम का बीज बोने से ही मन मंदिर बनेगा। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि कर्नल देवेंद्र सिंह यादव ने कहा कि प्रेम, शांति, सद्भावना तीनों एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं, जब हम प्रेम का दायरा बढ़ाएंगे तो अपने आप सब लड़ाई बंद हो जाएगी, धीरे-धीरे शांति बढ़ेगी। जब चारों तरफ शांति बढ़ेगी तब सद्भावना अपने आप ही बढ़ जाएगी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संस्था से जुड़े लोग उपस्थित रहे।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव हो सकता है दिलचस्प

कमला हैरिस राष्ट्रपति बनने के योग्य: बाइडन

वाशिंगटन। एजेंसी

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव इस बार अधिक दिलचस्प होने वाला है। वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन जहां लगातार अपने भूलने के कारण निशाने पर हैं, वहीं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर उनके पिछले मुकदमों का साया लगातार परेशान कर रहा है। ऐसे में संभव है कि चुनाव से पहले डेमोक्रेट और रिपब्लिकन पार्टी के तरफ से राष्ट्रपति के नए उम्मीदवार अंतिम समय में मैदान में दिखाई दें तो किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति जो. बाइडन ने शुक्रवार को कहा कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस देश का नेतृत्व करने के लिए 'योग्य' हैं। इससे पहले बाइडन ने बृहस्पतिवार यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, शुरू से ही, मुझे इस बारे में कोई संदेह नहीं रहा है। वह राष्ट्रपति बनने के योग्य हैं। इसीलिए मैंने उन्हें चुना। इस

टिप्पणी के कारणों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, सबसे पहले जिस तरह से उन्होंने महिलाओं की स्वतंत्रता के मुद्दे को संभाला और दूसरा, लगभग किसी भी मुद्दे को संभालने की उनकी शानदार क्षमता इसका कारण हैं।

वर्ष 2020 में अमेरिकी उपराष्ट्रपति के रूप में चुनी जाने वाली 59 वर्षीय हैरिस पहली महिला, पहली अश्वेत अमेरिकी और पहली दक्षिण एशियाई अमेरिकी हैं। पिछले महीने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप के साथ एक टीवी बहस में लड़खड़ाने के बाद से यह मांग उठ रही है कि 81 वर्षीय बाइडन को नवंबर में राष्ट्रपति पद के लिए होने वाले चुनाव की दौड़ से हट जाना चाहिए। इसी पृष्ठभूमि में उन्होंने 59 वर्षीय हैरिस के बारे में संबंधित टिप्पणी की।

सम्मेलन के दौरान बाइडन की जुबान फिसल गई और उन्होंने गलती से कमला हैरिस को पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप बता दिया। बाइडन अमेरिका के सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति हैं। उन्होंने कहा, मैं चुनाव लड़ने के लिए प्रतिबद्ध हूं। मुझे लगता है कि मैं राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए सबसे योग्य व्यक्ति हूं। मैंने उन्हें (ट्रंप को) एक बार हराया था और अब मैं उन्हें फिर से हराऊंगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, इसके अलावा, यह विचार कि राष्ट्रपति पद की दावेदारी की दौड़ में शामिल सीनेटर और कांग्रेस सदस्य टिकट को लेकर चिंतित हैं, असामान्य नहीं है।

नेपाल में केपी शर्मा ओली ने सरकार बनाने का दावा पेश किया

काठमांडू। प्रचंड सरकार के संसद में विश्वास मत में पराजित होने के बाद नई सरकार के गठन का रास्ता साफ हो गया। ताजा राजनीतिक हलचल के बीच देरशात केपी शर्मा ओली राष्ट्रपति कार्यालय पहुंचे और राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल से मिले। इस दौरान उन्होंने सरकार गठन करने का दावा पेश किया। राष्ट्रपति कार्यालय के बयान में तीन दिन के भीतर नई सरकार के गठन का आह्वान किया गया है। ओली नेपाली कांग्रेस के समर्थन पत्र सहित पार्टी के अध्यक्ष शेर बहादुर देउवा के साथ राष्ट्रपति से मिले। केपी शर्मा ओली को नेपाली कांग्रेस के अलावा कई छोटे दलों का भी समर्थन मिला है। 275 सदस्यों वाली प्रतिनिधि सभा में नेपाली कांग्रेस के 89 और एमाले के 78 सांसद के साथ ही बहुमत पहुंच जाता है। ओली को राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के 14, जसपा के 12, जनमत के 6, लोसपा के 4, उन्मुक्ति पार्टी के 4 सांसदों का समर्थन हासिल है।

गाजा में बचावकर्मियों को मिले 60 से अधिक शव

गाजा। एजेंसी

गाजा शहर में करीब एक सप्ताह तक चले भीषण हमले के बाद इजराइली सेना को हमास के प्रतिरोध के बाद कुछ भागों से वापस लौट आई। बचावकर्मियों ने कहा कि हमले में दर्जनों लोग मारे के सबसे बड़े शहरी क्षेत्र में कई मकानहह गए और सड़कें नष्ट हो गईं। गाजा नागरिक आपात कालीन सेवा ने कहा कि पिछले सप्ताह तेल अल-हवा के क्षेत्र और गाजा शहर में साबरा से इजरायली सेना के हाथों मारे गए फलस्तीनियों के लगभग 60 शव मिले। निवासियों एवं बचाव दलों ने कहा कि कुछ क्षेत्रों से टैंक वापस चले गए हैं, लेकिन इजराइली स्नाइपर्स और टैंकों ने कुछ भूमि पर नियंत्रण करना जारी रखा है। बचाव दलों ने निवासियों को फिलहाल वापस नहीं लौटने को कहा है। इजराइल की सेना ने शुक्रवार को कहा कि लेबनान सीमा पर संघर्ष में उसका एक सैनिक मारा गया। सेना ने यह नहीं बताया कि सैनिक की मौत कैसे हुई, लेकिन इजराइल के हारेत्ज समाचार पत्र ने कहा है कि ड्रोन हमले में सार्जेंट मारा गया है। ईरान समर्थित हिजबुल्लाह समूह और इजरायल के बीच नौ महीने से संघर्ष जारी है।

कमलनाथ ने कुपोषण पर सरकार को घेरा, कहा

बच्चों को भरपेट खाना देने का वादा भी झूठा निकला

भोपाल। एजेंसी

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कुपोषण पर सरकार को घेरा है उन्होंने निशाना साधते हुए कहा है कि सभी झूठे वादों की तरह बच्चों को भरपेट भोपाल देने का सरकार का वादा भी झूठा निकला। कमलनाथ ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा केन्द्र सरकार की एक रिपोर्ट के मुताबिक मध्यप्रदेश भीषण कुपोषण की चपेट में आ गया है। प्रदेश की आंगनबाड़ियों में पंजीकृत 6 वर्ष से कम उम्र के 66 लाख बच्चों में से 26 लाख यानि 40% बच्चे बौने पाये गये हैं, वहीं करीब 17 लाख यानि 27% बच्चों का वजन मानक औसत वजन से कम पाया गया है। केन्द्र सरकार द्वारा संचालित पोषण ट्रेकर की माह जून 24 की रिपोर्ट दर्शाती है कि मध्यप्रदेश में पिछले दो माह में ही कम वजन वाले बच्चों की संख्या में 3% की बढ़ोतरी हुई है। मई 2024 में जहां मध्यप्रदेश की आंगनबाड़ियों में कम वजन वाले बच्चों की संख्या 24% थी, वहीं जुलाई 2024 में यह बढ़कर 27% पहुंच गई है। कमलनाथ ने आगे कहा बढ़ते कुपोषण ने समूचे मध्यप्रदेश की आहार वितरण प्रणाली और बच्चों को पोषाहार देने के सभी दावों पर गंभीर प्रश्नचिन्ह लगाये हैं। शर्मनाक बात है कि इस इंडेक्स में अब मध्यप्रदेश 35वें नंबर पर लुढ़क गया है। अब हमसे नीचे मात्र एक स्थान ही बचा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा आंकड़े बताते हैं कि मध्यप्रदेश सरकार की कथनी और करनी में व्यापक अंतर है। सभी झूठे दावों और वादों की तरह से बच्चों को भरपेट भोजन/पोषाहार देने का इनका दावा भी झूठा है।

16 वें वित्त आयोग के अध्यक्ष सहित सदस्यों ने पंचायत प्रतिनिधियों से की चर्चा

स्थानीय आवश्यकताओं के मुताबिक हमें विकास की कार्ययोजना बनानी है : अरविंद पनगढ़िया

रायपुर। एजेंसी

16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया और आयोग के सदस्यों ने पंचायत प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए पंचायतों के तेजी से समग्र विकास का खाका खींचा। बस्तर संभाग के मुख्यालय जगदलपुर कलेक्टोरेट के प्रेरणा कक्ष में आयोजित बैठक में पंचायत प्रतिनिधियों ने बस्तर के विकास के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। पंचायत प्रतिनिधियों के सुझावों पर वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. पनगढ़िया ने कहा कि 16 वें वित्त आयोग का कार्यकाल 2026-27 से 2030-31 तक प्रभावी रहेगा ' इस अवधि को ध्यान में रख कर स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप हमें विकास की आगामी कार्ययोजना बनानी है। उन्होंने बस्तर के पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा दिए गए

सुझावों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यहां जो सुझाव दिए गए हैं, वे सभी वित्त आयोग के कार्यक्षेत्र से संबंधित हैं तथा इन पर निश्चित ही कार्यवाही की जाएगी। पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा जनसरोकार से जुड़े ऐसे मुद्दों पर बात की गई, जिनका यथासंभव समाधान करने का प्रयास किया जाएगा। बस्तर जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप ने चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि 15 वें वित्त आयोग अन्तर्गत 90 प्रतिशत जनसंख्या एवं 10 प्रतिशत क्षेत्रफल के आधार पर आवंटन जारी किया जाता है। बस्तर जिला अन्तर्गत ग्राम पंचायतों में आश्रित ग्राम एवं पारा दूर-दूर तक फैले हुए है, इस कारण क्षेत्रफल को ध्यान में रखते हुए 16 वें वित्त आयोग अन्तर्गत 70 प्रतिशत जनसंख्या एवं 30 प्रतिशत क्षेत्रफल के आधार पर आवंटन प्रदान किया जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा हमारा बस्तर संस्कृति से भरपूर है, चाहे देवगुड़ी हो, मेला, मंडई हो, बस्तर में इसकी अत्यधिक मान्यता है। इसे ध्यान में रखते हुए देवगुड़ी, मेला, मंडई एवं खेलकूद क्षेत्र के लिए भी आवंटन का प्रावधान किया जाना चाहिए। बस्तर जिला पंचायत उपाध्यक्ष मनीराम कश्यप ने कहा बस्तर में पेसा एक्ट लागू होने के साथ-साथ नक्सल प्रभावित क्षेत्र है। 16 वें वित्त आयोग अन्तर्गत जनसंख्या, क्षेत्रफल के साथ-साथ नक्सल एवं पेसा जिले को अतिरिक्त आवंटन प्रदान करने की बात कही। साथ ही बस्तर की अधिकांश आबादी इन वन क्षेत्र में रहती है तथा अधिकांश आदिवासियों के आय का मुख्य स्रोत लघु वनोपज होता है।

राजनीति

हिम्र में उपचुनाव के नतीजों ने बढ़ाया मुख्यमंत्री सुक्खू का कद

पहली बार सदन में नजर आएगी पति-पत्नी की जोड़ी

शिमला। एजेंसी

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के अब तक के 18 माह के कार्यकाल में कांग्रेस ने लगातार दूसरे उपचुनाव में भाजपा को पटखनी दी है। एक माह पहले कांग्रेस ने छह में से चार सीटें पर जीत दर्ज कर अपनी सरकार को मजबूत किया था। अब दूसरे उपचुनाव में भी कांग्रेस ने भाजपा को करारी शिकस्त दी है। भाजपा की जोरदार घेराबंदी के बावजूद मुख्यमंत्री सुक्खू अपनी पत्नी कमलेश को पहली बार विधानसभा पहुंचाने में कामयाब रहे। यह पहला मौका होगा कि हिमाचल प्रदेश विधानसभा में पति-पत्नी की जोड़ी देखने को मिलेगी। सुक्खू की अगुवाई में हुए उपचुनाव में नालागढ़ में भी कांग्रेस की वापसी हुई है। हालांकि सुक्खू अपने गृह

> सुक्खू अपने गृह जिला हमीरपुर में कांग्रेस को जीत नहीं दिला पाए, हमीरपुर में कांग्रेस 21 वर्षों से लगातार हार रही है

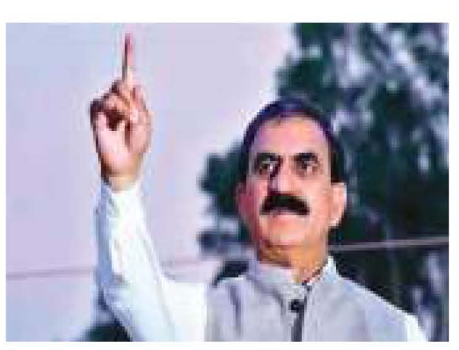

जिला हमीरपुर में कांग्रेस को जीत नहीं दिला पाए। हमीरपुर में कांग्रेस 21 वर्षों से लगातार हार रही है। उपचुनाव के नतीजों से सुक्खू का कद और बढ़ गया है। सीएम की पत्नी को देहरा से टिकट मिलने पर कांग्रेस में बगावत देखी गई थी। पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी राजेश शर्मा ने सीएम के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था लेकिन सीएम उन्हें मनाने में कामयाब रहे और अब देहरा सीट आसानी से कांग्रेस की झोली में आ गई है। इन उपचुनावों में प्रदेश कांग्रेस अपने राष्ट्रीय नेतृत्व के आसरे नहीं रही। उपचुनाव के स्टार प्रचारकों में केवल सीएम सुक्खू पर ही सारा दारोमदार था। कांग्रेस के राष्ट्रीय नेताओं राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे सहित अन्य बड़े नेता चुनाव प्रचार में नहीं आए। हालांकि सुक्खू के सारे मंत्री और अन्य कांग्रेस नेता प्रचार में सक्रिय थे, पर देहरा और हमीरपुर का प्रचार सीएम सुक्खू के जिम्मे ही था।

दूसरी बार उपचुनाव में जीत से सुक्खू की कांग्रेस हाईकमान के सामने फिर धाक बन गई है। साथ ही उनकी सरकार पहले से ज्यादा मजबूत हो गई है। देहरा उपचुनाव में मिली जीत से आने वाले समय में कांगड़ा की सियासी फिजा में नया देखने को मिल सकता है।

आयुर्वेदिक औषधियों का वृक्षारोपण आज के समय की पुकार : डा. साक्षी

कठुआ। एजेंसी

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केन्द्र बाखता में कार्यरत आयुर्वेद व योग चिकित्सक डा. साक्षी शर्मा द्वारा वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें सुनील शर्मा फार्मासिस्ट ने भी सहयोग किया। डा. साक्षी शर्मा ने कहा कि आयुर्वेद व योग ने अपनी महत्वता को सिद्ध किया है व आयुर्वेदिक औषधियों की वृक्षारोपण आज समय की पुकार है।

डा. साक्षी शर्मा ने कहा कि आयुर्वेद निदेशक डा. मोहन सिंह के कुशल नेतृत्व व जिला आयुष अधिकारी डा. राकेश शर्मा के मार्गदर्शन में आयुर्वेद व

योग हर घर तक पहुंच रहा है व स्वस्था के नये शिखर को छू रहा है। वृक्षारोपण अभियान में सहयोग करने के लिए डा. साक्षी शर्मा ने वन विभाग का आभार व्यक्त किया।

साक्षी ने कहा कि आम जन कल्याण तक आयुर्वेद व योग को पहुंचाया जाएगा। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को आयुर्वेदिक औषधियों की चिकित्सा महत्वता के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए उन्हें औषधीय पौधे वितरित किए गए।

यूरो कप 2024 के फाइनल के लिए स्पेन और इंग्लैंड तैयार

बर्लिन। एजेंसी

फुटबॉल में यूईएफए यूरो कप 2024 टूर्नामेंट अपने रोमांचक दौर पर पहुंचने वाला है जहां स्पेन और इंग्लैंड एक यादगार फाइनल में खिताबी जंग के लिए पूरी तरह से तैयार है। यूरो कप 2024 अपने अंतिम मुकाबले के लिए तैयार है। स्पेन महाद्वीपीय चैंपियनशिप में रिकॉर्ड चौथा खिताब जीतने का लक्ष्य लेकर चल रहा है, जबकि इंग्लैंड लगातार दूसरे यूरो फाइनल में खेलेगा। सेमीफाइनल में स्पेन ने फ्रांस को हराकर 2-1 से जीत दर्ज की, जबकि इंग्लैंड ने नीदरलैंड को इसी स्कोरलाइन से हराया। फाइनल मैच सोमवार को बर्लिन के ओलंपियास्टेडियन में भारतीय समयानुसार 12.30 बजे शुरू होगा। प्रशंसक कवरेज विवरण के लिए अपने स्थानीय प्रसारण भागीदारों की जांच कर सकते हैं। स्पेन ने पूरे टूर्नामेंट में अपनी आक्रामक शैली से सबको चौंका दिया है, जिसमें रॉड्री और अल्वारो मोराटा जैसे सितारों के अनुभव को लैमिन यामल और निको विलियम्स जैसी प्रतिभाओं के युवा उत्साह के साथ मिश्रित किया गया है। गत चैंपियन इटली और मेजबान जर्मनी सहित अपने प्रतिद्वंदी टीमों पर काबू पाने के बाद लुइस डे ला फुएंते की टीम ऐतिहासिक चौथा यूरो खिताब हासिल करने के लिए उत्सुक है।

हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष और महिला ईस्ट जोन चैंपियनशिप रविवार से, कोलकाता करेगा मेजबानी

कोलकाता में हॉकी का एक गहरा इतिहास है: दिलीप

- जूनियर पुरुष और महिला पूर्वी क्षेत्र चैंपियनशिप सबसे प्रतिभाशाली प्रतिभाओं का प्रदर्शन करेगी

नई दिल्ली। एजेंसी

दूसरी हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष और महिला ईस्ट जोन चैंपियनशिप 2024, चौदह जुलाई से कोलकाता के साल्ट लेक स्थित नेताजी सुभाष ईस्टर्न सेंटर में शुरू होने वाली है। छह पुरुष और महिला टीमों में से, राउंड रॉबिन मैचों के बाद प्रत्येक श्रेणी में सबसे अधिक अंक वाली दो टीमें 21 जुलाई को फाइनल में पहुंचेंगी। दूसरी हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष और महिला ईस्ट जोन चैंपियनशिप 2024 की पुरुष और महिला श्रेणियों में भाग लेने वाली सदस्य इकाइयाँ हॉकी झारखंड, हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा, हॉकी बिहार, हॉकी बंगाल, असम हॉकी और मणिपुर हॉकी हैं। मणिपुर हॉकी और हॉकी झारखंड की महिला वर्ग में राष्ट्रीय चैंपियनशिप कल कोलकाता में शुरू होगी, इसके बाद असम हॉकी और हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा और हॉकी बंगाल और हॉकी बिहार के बीच मैच होंगे। पुरुष वर्ग में हॉकी झारखंड का मुकाबला मणिपुर हॉकी से होगा, इसके बाद हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा और असम हॉकी के बीच मुकाबला होगा और दिन के आखिरी मैच में हॉकी बिहार का मुकाबला हॉकी बंगाल से होगा।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की ने कहा कोलकाता में हॉकी का एक गहरा इतिहास है, और हमें खुशी है कि कल से शुरू होने वाली दूसरी हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष और महिला पूर्वी क्षेत्र चैंपियनशिप सबसे प्रतिभाशाली प्रतिभाओं का प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा हम कुछ शानदार मैचों और इस क्षेत्र से कुशल खिलाड़ियों के उभरने का इंतजार कर रहे हैं।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, यह जरूरी है कि युवाओं को अपने करियर के शुरूआती चरणों में विकास में सहायता के लिए निरंतर अनुभव मिले। जूनियर जोनल नेशनल चैंपियनशिप उन जूनियर खिलाड़ियों की क्षमताओं का परीक्षण करने के लिए डिजाइन की गई है, जिनका लक्ष्य एक दिन भारत के लिए खेलना है, और हमें उम्मीद है कि इन प्रतियोगिताओं से युवा प्रतिभाएं सामने आएंगी।"

ट्रिनबैगो नाइट राइडर्स की मेंटॉर होंगी झूलन गोस्वामी

नयी दिल्ली। भारतीय महिला टीम की पूर्व तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी को विमेंस कैरिबियाई प्रीमियर लीग (डब्ल्यूसीपीएल) 2024 में ट्रिनबैगो नाइट राइडर्स (टीकेआर) ने अपना मेंटॉर नियुक्त किया है। नाइट राइडर्स की ओर साझे किए गए बयान में गोस्वामी के हवाले से कहा गया है, मेरे लिए इस फ्रैंचाइज़ी का हिस्सा बनना गर्व की बात है। नाइट राइडर्स ने भारत और दुनिया के अन्य हिस्सों में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। मैं इस टूनार्मेंट में उनका हिस्सा बनने के लिए बेहद उत्सुक हूं। मुझे मेंटॉर की भूमिका देने के लिए नाइट राइडर्स का धन्यवाद। उन्होंने कहा, टीकेआर के साथ जुड़ने की मेरी शुरूआती चर्चा वेंकी मायसोर (केकेआर के सीईओ) के साथ हुई थी। प्रबंधन के मुख्य व्यक्ति होने के नाते जिस तरह से वह सभी का ध्यान रखते हैं, वह काबिले तारीफ है। आईपीएल के दौरान कोलकाता में जिस तरह से वेंकी सर और शाहरुख खान ने मेरा स्वागत किया।

एक नजर

डूरंड कप : पहले मैच में डिफेंडिंग चैंपियन मोहन बागान का सामना कश्मीर हीरोज से

नई दिल्ली/कोलकाता। गत चैंपियन मोहन बागान सुपर जायंट (एमबीएसजी), 27 जुलाई, 2024 को कोलकाता के विवेकानन्द युबा भारती क्रिरंगन (वीवाईबीके) में 133वें इंडियन ऑयल डूरंड कप के उद्घाटन मैच में कश्मीर के डाउनटाउन हीरोज एफसी से भिड़ेगा। मैच भारतीय समयानुसार शाम 6 बजे शुरू होगा। ग्रुप चरण के मैच 18 अगस्त को एमबीएसजी के कड़े प्रतिद्वंद्वी और इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के साथी इमामी ईस्ट बंगाल (ईईबी) के बीच प्रसिद्ध कोलकाता डर्बी के साथ समाप्त होंगे, जिसे ग्रुप ए के अंतिम मैच के रूप में वीवाईबीके में रखा गया है। 133वें इंडियनऑयल डूरंड कप के सभी 43 मैचों का सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर लाइव प्रसारण किया जाएगा और साथ ही SonyLiv ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी लाइवस्ट्रीम किया जा सकेगा। जहां ग्रुप ए, बी और सी के मैच कोलकाता में वहीं पहली बार कुछ मैच जमशेदपुर में खेले जाएंगे, जिसमें ग्रुप डी के मैच शामिल हैं। मेजबान जमशेदपुर एफसी का मुकाबला बांग्लादेश आर्मी फुटबॉल टीम से होगा, जो टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करने वाली दो विदेशी टीमें में से एक है। ग्रुप ई के मैच 30 जुलाई को कोकराझार में शुरू होंगे, जिसमें स्थानीय टीम बोडोलैंड एफसी का मुकाबला आईएसएल टीम नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी से होगा। शिलांग, जो पहली बार इंडियन ऑयल डूरंड कप की मेजबानी भी करेगा।

विंबलडन 2024: लगातार दूसरे साल फाइनल में भिड़ेंगे अल्काराज और जोकोविच

लंदन। सफल खेल करियर तीन चीजों पर निर्भर करता है - प्रतिभा, कड़ी मेहनत और किस्मत। कार्लोस अल्काराज प्रतिभाशाली थे, इस बात पर कभी संदेह नहीं था। जो व्यक्ति कड़ी मेहनत नहीं करता, वह एक झटके में तीन मेजर खिताब नहीं जीत सकता। और विंबलडन में पिछले 10 दिनों ने दिखाया है कि उनके साथ किस्मत भी है। शुक्रवार को सेंटर कोर्ट में, 21 वर्षीय खिलाड़ी अल्कराज ने पहले पूरे टूर्नमिंट की तरह ही शानदार प्रदर्शन किया, पहले सेट में डेनियल मेदवेदेव के तूफान का सामना किया और फिर 6-7(1), 6-3, 6-4, 6-4 से जीत दर्ज की। खिताबी मुकाबले में तीसरे वरीय खिलाड़ी का सामना सात बार के विजेता नोवाक जोकोविच से होगा, जिन्होंने इतालवी लोरेंजो मुसेट्टी को 6-4, 7-6(2), 6-4 से हराया। गत चैंपियन अल्काराज ने फाइनल मुकाबले को लेकर कहा, मुझे लगता है कि मैं अब नया नहीं हूं। मुझे पता है कि मैं इससे पहले कैसा महसूस करूंगा और मैं वही सब करूंगा जो मैंने पिछले साल किया था।

टेस्ट में मौके का है इंतजार : आवेश

हरारे। तेज गेंदबाज आवेश खान ने कहा कि वह क्रिकेट के लंबे प्रारुप टेस्ट में भारतीय टीम के लिए सफेद जर्सी में खेलने का इंतजार कर रहे है। आवेश ने बीसीसीआई टीवी से बातचीत में कहा मैं टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए काफी उत्साहित हूं। क्योंकि मुझे वही एक प्रारूप लगता है, जहां मैं स्वय को साबित कर सकता हूं। मैंने घरेलू स्तर पर अपनी स्टेट टीम (मध्य प्रदेश) इंडिया ए के लिए, दिलीप ट्रॉफी या देवधर ट्रॉफी में खेलने के दौरान मैं वहां स्वयं को साबित भी किया है। उन्होंने कहा मैं एक गेंदबाज के तौर हमेशा सुधार लाने का प्रयास और कप्तान को एक फ्री हैंड देने का प्रयास करता हूं, ताकि वह मैच के किसी भी चरण में गेंदबाजी करा सकें। मैं हर चीज अपने पक्ष में लाने की पूरी कोशिश करता हूं। क्योंकि कप्तान को अगर एक ऐसा विकल्प मिल जाता है जो पावरप्ले, बीच के ओवरों और डेथ ओवरों में गेंदबाजी कर सके तब ऐसी स्थिति में उसके पास विकल्प बढ़ जाते हैं। मैंने अपनी गेंदबाजी में भी काफी मिश्रण करने के प्रयास किए हैं।

फुटबॉल : लामार्टीनियर कालेज को हराकर यूनिटी कालेज ने खिताब पर किया कब्जा

लखनऊ। एजेंसी

लामार्टीनियर कालेज के पोलो मैदान पर खेले गये सीआईएससीई जोनल अण्डर-19 फुटबॉल प्रतियोगिता के खिताबी मुकाबले में कायम अब्बास जैदी के आक्रामक खेल (दो गोल) की मदद से यूनिटी कालेज ने गतवर्ष चैम्पियन लामार्टीनयर कालेज को 2-0 गोल से हराकर खिताब पर कब्जा कर लिया। इसे पूर्व सेमीफाइनल मैच में यूनिटी कालेज ने स्टीला मेरी को 6-0 गोल से हराया। पहला गोल पहले हाफ में कायम अब्बास ने दागा। इसके बाद अमान रिजवी ने हैट्रिक सहित 4 गोल दागकर टीम को फाइनल में पहुंचाया। खिताबी मुकाबला शुरू होते ही कायम अब्बास ने पहले हॉफ के 5वें मिनट में ही प्रतिद्वंद्वी लामार्टीनयर की रक्षा पंक्ति को छेदते हुए मैदानी गोल दागकर टीम का स्कोर 1-0 कर दिया।

इसी क्रम में पहले हॉफ के अंतिम क्षण 30वें मिनट में कायम अब्बस ने एक बार फिर प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ आक्रमाक खेल दिखाते हुए मैदानी गोल ठोक कर टीम का स्कोर 2-0 पहुंचा दिया। दूसरे हॉफ में खेल और भी रोमांचक रहा दोनों ओर से गोल दागने के प्रयास किये गये। मगर गोलकीपर ने उन्हें सुरक्षित कर लिया। अंत में यूनिटी कालेज 2-0 गोल से चैम्पियन हो गया। कालेज के सचिव नजमुल हसन रिजवी और प्रधानाचार्य दीपक मैथ्यूज और स्पोर्ट्स टीचर आमिर अली ने फुटबॉल टीम और जोनल एथलेटिक्स में स्वर्ण पदक जीतने वाले कालेज धावक कायम अब्बास की प्रशंसा करते हुए उन्हें आगामी प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीतने का आशीवार्द व शुभकामनाएं दी।

रियल सोसिएदाद ने सर्जियो गोमेज के साथ किया छह साल का करार

मैड्रिड। एजेंसी

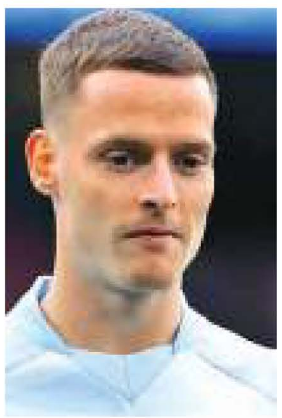

रियल सोसिएदाद ने शुक्रवार को 23 वर्षीय स्पेनिश लेफ्ट बैक सर्जियो गोमेज के साथ छह साल का अनुबंध किया है। गोमेज मैनचेस्टर सिटी से रियल सोसिएदाद में लगभग नौ मिलियन यूरो (लगभग 9.8 मिलियन अमेरिकी डॉलर) की फीस पर शामिल हुए और जून 2030 के अंत तक अनुबंध पर सहमत हुए। पूर्व बार्सिलोना युवा खिलाड़ी, जो स्पेनिश राष्ट्रीय टीम के साथ पेरिस ओलंपिक में खेलेंगे, मैनचेस्टर सिटी के साथ दो सत्रों के बाद क्लब में शामिल हुए, जिसमें उन्होंने 38 बार पहली टीम में प्रदर्शन किया, हालांकि उन्होंने प्रीमियर लीग में केवल 18 मैच खेला। गोमेज ने एक वीडियो में कहा मैं इस अवसर को लेकर बहुत खुश हूं, इमानोल के साथ प्रशिक्षण शुरू करने के लिए बहुत उत्साहित हूँ। हम पिछले कुछ सालों से क्लब के संपर्क में थे। रियल सोसिएदाद मुझे आगे बढ़ने का मौका दे सकता है और एक खिलाड़ी के रूप में मेरी प्रगति जारी रखने में मदद कर सकता है। यह वही है जिसकी मुझे तलाश है।

जेसिका हल ने 5:19.70 सेकंड के साथ 2000 मीटर का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा

मोनाको। एजेंसी

इतिहास में पांचवीं सबसे तेज महिला 1500 मीटर धावक बनने के पांच दिन बाद, ऑस्ट्रेलिया की जेसिका हल शुक्रवार रात मोनाको में हरक्यूलिस ईबीएस वांडा डायमंड लीग मीटिंग में विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए अब तक की सबसे तेज 2000 मीटर धावक बन गईं। 27 वर्षीय हल ने मोनाको में 5:19.70 का समय निकाला, और इथियोपिया की जेनजेबे डिबाबा द्वारा 2018 में बनाए गए 5:21.56 सेकंड के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

जीत हासिल करने के बाद हल ने वर्ल्ड एथलेटिक्स के हवाले से कहा, यह अविश्वसनीय था। जब मैं आखिरी लैप पर अकेली थी, तो हर कोई मेरा उत्साहवर्धन कर रहा था, मैंने पूरे हफ़्ते पेरिस रेस को अपने पैरों में महसूस किया। इसलिए आज मेरा लक्ष्य सिर्फ मजबूत होना था, भले ही मेरे पैर बहुत भारी हों। मैं एक अलग गति और थकान के स्तर पर दौड़ी, जो मैंने पहले कभी नहीं किया था। उन्होंने आगे कहा निश्चित रूप से कुछ महिलाएं हैं जो 5:19 का समय लेकर दौड़ सकती हैं, लेकिन अभी के लिए मेरा नाम इतिहास की किताबों में दर्ज है। मैंने इस रिकॉर्ड के लिए कड़ी मेहनत की।

मेलिसा कोर्टनी-ब्रायंट 5:26.08 के ब्रिटिश रिकॉर्ड के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि एडिनाह जेबिटोक ने 5:26.09 का केन्याई रिकॉर्ड बनाकर तीसरा स्थान हासिल किया। यूएसए की कोरी एन मैक्गी ने 5:28.78 का क्षेत्रीय रिकॉर्ड बनाकर चौथा स्थान हासिल किया। हल अब पांच बार की ओशियन और एक विश्व रिकॉर्ड-धारक के रूप में पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में भाग लेंगी।

श्रीलंका क्रिकेट ने महिला एशिया कप में प्रशंसकों के लिए नि:शुल्क प्रवेश की घोषणा की

दांबुला। एजेंसी

श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने शुक्रवार को घोषणा की है कि आगामी महिला टी20 एशिया कप 2024 में प्रशंसकों के लिए मुफ्त प्रवेश होगा, जो 19 जुलाई से शुरू होगा। हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली टीम इंडिया टूर्नामेंट के पहले दिन अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से रंगीरी दांबुला इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भिड़ेगी। एसएलसी ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर पुष्टि की कि इस टूर्नामेंट में श्रीलंका, भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, यूएई, नेपाल, मलेशिया और थाईलैंड हिस्सा लेंगे। भारत, पाकिस्तान, यूएई और नेपाल ग्रुप 'ए' में और बांग्लादेश, श्रीलंका, मलेशिया और थाईलैंड ग्रुप 'बी' में हिस्सा लेंगे। टूर्नामेंट में कुल 15 मैच खेले जाएंगे।

एसएलसी ने कहा बहुप्रतीक्षित आठ देशों का महिला टी20 एशिया कप 2024, 19 जुलाई, को आरडीआईसीएस, दांबुला में शुरू होगा। इस टूर्नामेंट में श्रीलंका, भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, यूएई, नेपाल, मलेशिया और थाईलैंड प्रतिस्पर्धा करेंगे, जो एशियाई क्षेत्र में महिला क्रिकेट में सबसे महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं में से एक है।

भारत, पाकिस्तान, यूएई और नेपाल ग्रुप 'ए' में प्रतिस्पर्धा करेंगे, और बांग्लादेश, श्रीलंका, मलेशिया और थाईलैंड ग्रुप 'बी' में प्रतिस्पर्धा करेंगे। टूर्नामेंट में दो सेमीफाइनल और फाइनल सहित कुल 15 मैच होंगे। महिला टी20 एशिया कप 2024 का उद्घाटन मैच यूएई और नेपाल के बीच खेला जाएगा। मेजबान टीम 20 जुलाई को बांग्लादेश के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगी। एसएलसी ने कहा पहले दिन यूएई दोपहर 2 बजे नेपाल से भिड़ेगा और फिर भारत शाम 7 बजे पाकिस्तान से भिड़ेगा। टूर्नामेंट में श्रीलंका का पहला मैच 20 जुलाई को शाम 7 बजे बांग्लादेश के खिलाफ होगा। बयान में आगे कहा गया है कि श्रीलंका क्रिकेट के उपाध्यक्ष रविन विक्रमरत्ने को महिला टी20 एशिया कप 2024 का टूर्नामेंट निदेशक नियुक्त किया गया है। इसमें आगे कहा गया है, श्रीलंका क्रिकेट की कार्यकारी समिति और एशियाई क्रिकेट परिषद ने संयुक्त रूप से श्रीलंका क्रिकेट के उपाध्यक्ष रविन विक्रमरत्ने को महिला टी20 एशिया कप 2024 का टूर्नामेंट निदेशक नियुक्त किया है।

वाणिज्य

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 24.07 फीसदी उछलकर 5.74 लाख करोड़ रुपये पर पहुंचा

नई दिल्ली। एजेंसी

अर्थव्यस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर आई है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 के पूर्ण बजट से पहले केंद्र सरकार का खजाना भर गया है। शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह अब तक 24.07 फीसदी उछलकर 5.74 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की इसी अवधि में शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 4.80 लाख करोड़ रुपये था। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक 11 जुलाई, 2024 तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 24.07 फीसदी बढ़कर 5.74 लाख करोड़ रुपये रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की समान अवधि में शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 4.80 लाख करोड़ रुपये रहा था। सीबीडीटी के मुताबिक इसमें 2.1 लाख करोड़ रुपये का कॉर्पोरेट टैक्स और 3.46 लाख करोड़ रुपये का व्यक्तिगत आयकर शामिल है। व्यक्तिगत आयकर के आंकड़ों में प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) से प्राप्त इनकम भी शामिल है। सीबीडीटी ने बताया कि जून महीने में रिफंड के समायोजन के बाद प्रत्यक्ष कर संग्रह 4.62 लाख करोड़ रुपये एकत्र रहा जो सालाना आधार पर 20.99 फीसदी की वृद्धि है। इसमें 1.8 लाख करोड़ रुपये का कॉर्पोरेट टैक्स और 2.81 करोड़ रुपये का व्यक्तिगत आयकर शामिल है। गौरतलब है कि संसद का बजट सत्र 22 जुलाई, 2024 से शुरू हो रहा है। बजट सत्र के दूसरे दिन ही 23 जुलाई को वित?त मंत्री निर्मला सीतारमण 2024-25 का पूर्ण बजट लोकसभा में पेश करने वाली हैं।

टमाटर के दाम में गिरावट, खुदरा भाव 75 रुपये प्रति किलो

नई दिल्ली। एजेंसी

दिल्ली-एनसीआर में टमाटर की कीमत 75 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। प्याज भी 50 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रहा है लेकिन अब जल्द ही टमाटर और प्याज की बढ़ी कीमतों से राहत मिलने की उम्मीद है।

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि आपूर्ति में बाधा की वजह से टमाटर और प्याज सहित अन्य सब्जियों की बढ़ी कीमतों के जल्द ही स्थिर होने की उम्मीद है। दक्षिणी राज्यों से आपूर्ति बढ़ने से आने वाले हफ्तों में इनकी कीमतों में नरमी आने की उम्मीद है। फिलहाल राजधानी दिल्ली में हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड से टमाटर की आपूर्ति हो रही है। दरअसल राजधानी दिल्ली सहित कुछ अन्य शहरों में टमाटर, प्याज और आलू सहित अन्य सब्जियों की कीमतें बढ़ी हैं। बारिश के कारण आपूर्ति बाधित होने से नई दिल्ली में टमाटर का खुदरा भाव 75 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है लेकिन बारिश के कारण आपूर्ति श्रृंखला में और रुकावट नहीं आती है तो इसकी कीमतों में कमी आने की संभावना जताई जा रही है। मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक 12 जुलाई को दिल्ली में टमाटर की खुदरा कीमत 75 रुपये प्रति किलोग्राम थी, जो एक साल पहले इसी अवधि में 150 रुपये प्रति किलोग्राम थी।

पीयूष गोयल 14 जुलाई से एफ्टा, जी 7 बैठकों के लिए स्विटरजरलैंड , इटली की यात्रा पर

नयी दिल्ली। एजेंसी

भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल जी7 देशों के व्यापार मंत्रियों की बैठक के सम्पर्क कार्यक्रम में भाग 16-17 जुलाई तक इटली की यात्रा पर होंगे।यह सम्मेलन वहां रेजियो कैलाब्रिया में होने जा रहा है। इससे पहले 14-15 जुलाई को श्री गोयल स्विट्जरलैंड की यात्रा पर होंगे और वहां के धिकारियों के साथ यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (एफ्टा) तथा व्यापार तथा आर्थिक भागीदारी समझौते (टेपा) के कार्यान्वयन और स्विट्जरलैंड के साथ निवेश संबंधों के विस्तार पर वहां के अधिकारियों के साथ चर्चा करेंगे। वाणिज्य मंत्रालय की शनिवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार श्री गोयल जी7 देशों के व्यापार मंत्रियों और सम्पर्क कार्यक्रम के लिए आमंत्रित अन्य देशों के मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकों में भी शामिल होंगे। मंत्रालय का कहना है कि इन बैठकों में वाणिज्य मंत्री के भाग लेने से वैश्विक व्यापार और निवेश साझेदारी के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को बल मिलेगा।

मंत्रालय का कहना है कि रेजियो कैलाब्रिया में जी7 व्यापार मंत्रियों की बैठक के सम्पर्क सम्मेलन में, श्री गोयल वैश्विक व्यापार और आपूर्ति श्रृंखला लचीलेपन के लिए भारत के दृष्टिकोण को स्पष्ट करेंगे तथा व्यापार करने में आसानी बढ़ाने और विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए किए देश में किए गए महत्वपूर्ण सुधारों और पहलों पर प्रकाश डालेंगे। विज्ञप्ति में श्री गोयल स्विट्जरलैंड के व्यापार एवं निवेश विभाग के अपने समकक्ष अधिकारियों के साथ (एफ्टा) द्वारा की गई 100 अरब डालर के निवेश की प्रतिबद्धताओं की वृहद योजना पर चर्चा करेंगे। इस यात्रा का उद्देश्य भारत और स्विट्जरलैंड के बीच द्विपक्षीय आर्थिक और व्यापक साझेदारी को और मजबूत करना, गहरे आर्थिक संबंधों और आपसी विकास को बढ़ावा देना है। भारत का दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। देश अपने बाजारोन्मुखी सुधारों, कुशल कार्यबल और रणनीतिक स्थान के साथ वैश्विक कंपनियों के लिए अधिक से अधिक अनुकूल वातावरण बना रहा है।

जूनियर वर्ग में तीसरे स्थान पर रही मालदीव

दोनों वर्गों में भारत का खिताबी मुक़ाबला आज बांग्लादेश से

आईएचफ ट्रॉफी हैंडबॉल में यूथ में नेपाल ने जीता कांस्य

चमकता राजस्थान

जयपुर। आईएचफ ट्रॉफी हैंडबॉल में शनिवार को नेपाल और मालदीव के लिए मिश्रित भाग्य रहा। सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में अंडर-18 यूथ वर्ग में कास्यं पदक जहां नेपाल ने जीता, वही मालदीव ने अंडर-20 जूनियर वर्ग में तीसरा स्थान हासिल किया।
रविवार को फाइनल मैच खेला जायेगा। फाइनल में मेजबान भारत अंडर-18 यूथ और अंडर-20 जूनियर वर्ग में बांग्लादेश से खेलेगा। पहला फाइनल मैच शाम 4 बजे व दूसरा फाइनल शाम 6 बजे होगा।
अंडर-18 यूथ वर्ग के नेपाल ने रोमांचक मैच में मालदीव को 31-29 गोलो से हराकर कांस्य पदक जीता। सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में शनिवार को हार्डलाइन मैंच में नेपाल और मालदीव मध्यान्तर तक 16-16 गोलो से बराबरी पर थे।
मालदीव ने मैच में अच्छी शुरूआत की और बढत भी बनाई। मैच शुरू होने के 10 मिनट तक मालदीव नेपाल से बेहतर खेली लेकिन इसके बाद ओवर कॉन्फिडेंस के कारण वह पिछड गई और मध्यान्तर तक आते-आते नेपाल ने बढत कम की और स्कोर 16-16 कर दिया। मध्यान्तर के बाद मालदीव ने फिर मैच पर पकड बनाई और फिर पुरे मैच में संघर्ष करती रही। नेपाल के लिए सोनिश तमांग ने सर्वाधिक 12 गोल किए। रितिक परियाग ने 5, प्रशोन कुमार बिशोकर्मा, नीरज गुरंग, निशान पून ने 3-3, रोशन बिशोकर्मा, बिबेक थापा ने 2 और सुशान्त देव ने 1 गोल का योगदान दिया।
मालदीव के लिए शफीग अब्दुल्ला अज्जाम ने 10, शाहीम लोफान अहमद, फ़ैयाज़ मोहम्मद दीना ने 5-5, जलील अब्दुल्ला नेसाम ने 3, मोहम्मद हुसैन अफजल ने 2, अल मजीद, हमजा स्माईल इन्नान, हाशीम मुसा मिनहाल और अहमद राजीम रियाज ने 1-1 गोल किया।
मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर नेपाल के केविन गुरुंग को ओलम्पियन, अर्जुन अवार्डी तथा क्रीड़ा भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल सैनी एवं क्रीड़ा भारती राजस्थान के संयोजक मेघ सिंह चौहान ने पुरस्कार प्रदान किया। इस अवसर पर दक्षिण एशियाई हैंडबॉल महासंघ के महासचिव डॉ. आनन्देश्वर पांडे व हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के महासचिव डॉ. तेजराज सिंह भी उपस्थित थे।
जूनियर वर्ग में मालदीव ने नेपाल को 33-23 से हराया। मध्यांतर तक मालदीव ने 18-10 की बढ़त बना रखी थी।
मालदीव के गोलकीपर और मोस्ट वैल्युएबल खिलाडी चुने गए हुसैन यानल अकरम को जीत का श्रेय जाता है। उसने पुरे मैच में कम से कम एक दर्जन गोल बचाए। मालदीव के लिए रेद रशीद ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 11 गोल किए। मोहम्मद याशमु अहमद ने 7, अहमद राउल असद ने 5, अहमद उमेस ने 3, अहमद अमशाल, मुशा हिभा स्माईल रिजा, मोहम्मद अफान अतिफ ने 2-2 गोल किए। नेपाल के लिए सुदीप घाले ने 7, मनीष बहादुर, जीवन पुन ने 4-4, मिलन खवाश ने 3, प्रलेश गुरंग, दाबीन जुगलीपुन ने 2-2 और निशान परियार ने 1 गोल किया।
हैंडबाल एसोसिएशन इंडिया के रेफरी बोर्ड के चैयरमेन जसबीर बिसला व अमित पांडे ने हुसैन यानल अकरम को सम्मानित किया।

संक्षिप्त समाचार

जिला प्रभारी मंत्री श्री जवाहर सिंह बेढम 14 जुलाई को आएंगे धौलपुर

चमकता राजस्थान/धौलपुर (रामदास तरुण)। धौलपुर, 13 जुलाई को राज्य मंत्री गृह, गौपालन, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य विभाग व जिला प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म 14 जुलाई को धौलपुर आएंगे। जिला प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में होगी। अतिरिक्त जिला कलक्टर ब्रह्मलाल जाट ने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री द्वारा बजट 2024-25 से संबंधित राज्य स्तरीय बैठक में जिला प्रभारी मंत्रियों को अपने प्रभार जिलों में पहुंचकर बजट घोषणाओं के त्वरित एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश प्रदान किए गए हैं। इसी क्रम में 14 जुलाई को माननीय जिला प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह बेढम धौलपुर आएंगे। वे यहां दोपहर 3:30 बजे प्रेस कॉन्फ्रेन्स को सम्बोधित करेंगे एवं एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण करेंगे। तत्पश्चात जिला प्रभारी मंत्री कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक लेकर बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में समीक्षा करेंगे।

भारतीय जूनियर पुरुष हैंडबॉल टीम में राजस्थान के मोहित, हर्षिल मेनारिया व प्रियांशु शर्मा टीम के कोच होंगे प्रदेश के मोहम्मद ज़ाकिर

- जॉर्डन में खेली जाएगी एशियन जूनियर पुरुष हैंडबॉल चैंपियनशिप

चमकता राजस्थान। जयपुर। अम्मान (जॉर्डन) में 14 से 26 जुलाई तक खेले जाने वाली एशियन जूनियर पुरुष हैंडबॉल चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में राजस्थान के तीन खिलाड़ियों मोहित, हर्षिल मेनारिया व प्रियांशु शर्मा का चयन हुआ है। भारतीय टीम के कोच राजस्थान के जोधपुर के मोहम्मद ज़ाकिर है। भारतीय टीम शनिवार को अम्मान पहुंच गयी। राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के सचिव यश प्रताप सिंह ने बताया कि राजस्थान के श्रीगंगानगर के मोहित सेंटर बैक की पोजीशन पर, उदयपुर के हर्षिल मेनारिया लेफ्ट बैक की पोजीशन पर व जयपुर के प्रियांशु शर्मा गोलकीपर की पोजीशन पर खेलते है। भारतीय टीम के नई दिल्ली से रवानगी से पूर्व हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला, कार्यकारी निदेशक डा. आनन्देश्वर पाण्डेय, महासचिव डा. तेजराज सिंह ने भारतीय टीम के चैंपियनशिप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की कामना की।

चौमहला में दस दिन की खेच के बाद हुई तेज बरसात

- किसानों के चेहरे खिले ,फसलों को मिला जीवन दान

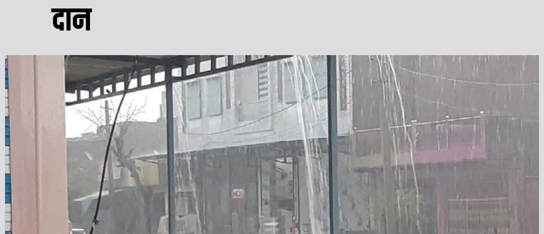

चमकता राजस्थान /चौमहला रमेश मोदी। गंगधार उपखंड में बरसात कि दस दिन की लंबी खेच के बाद शनिवार शाम करीब 5 बजे से डेढ़ घंटे तक तेज बरसात हुई जिससे फसलों को जीवनदान मिलने से किसानों के चेहरे खिल उठे वही लोगो को गर्मी उमस से राहत मिली ,मौसम सुहावना हो गया। शनिवार को सुबह से मौसम साफ था लोग तेज गर्मी उमस से परेशान हो रहे थे शाम होते होते मौसम ने करवट बदली आसमान में काली घटाएं छा गई तथा बरसात का क्रम शुरू हो गया,चौमहला सहित क्षेत्र में पिछले 10 दिनों से बरसात नही होने से किसान चिंतित थे तथा फसले भी प्रभावित हो रही थी पथरीली जमीन में फसले नष्ट होने की कगार पर पहुंच गई थी इस बरसात से फसलों को जीवनदान मिल गया वही किसान खड़ी फसल में कीट नाशक का छिड़काव करने के लिए बरसात का इंतजार कर रहे थे।समाचार लिखे जाने तक बरसात का तेज क्रम जारी था।तेज बरसात से निचली बस्तियों व सड़को पर पानी ही पानी हो गया।

पचलंगी ओम शिव गौशाला में धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन संपन्न

सैकड़ो महिलाओं ने कस्बे के मुख्य मार्गो से निकाली विशाल कलश यात्रा

- गौशाला के मुख्य द्वार पर भगवान कृष्ण की मूर्ति हुई विराजमान
- गौशाला के धार्मिक कार्यक्रम में आए हुए सभी प्रतिभाओं का हुआ सम्मानः मदनलाल भावरिया

चमकता राजस्थान / उदयपुरवाटी

(सुमेर सिंह राव) उपखंड क्षेत्र के पचलंगी गांव में स्थित ओम शिव गौशाला के परिसर में दो दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन संपन्न हुआ ' जड्या बालाजी मंदिर के महंत श्री श्री 108 श्री सीताराम दास महाराज के सानिध्य में धार्मिक कार्यक्रम का समापन हुआ ' गौशाला संरक्षक एवं राष्ट्रीय सामाजिक जन चेतना मंच के अध्यक्ष मदनलाल भावरिया ने बताया कि 12 जुलाई को गौशाला परिसर में मूर्तियों की पूजा अर्चना के साथ हवन का कार्यक्रम आयोजित हुआ ' तत्पश्चात 13 जुलाई को गौशाला परिसर में मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही विशाल भजनों की रसगंगा प्रवाहित की गई ' मदनलाल भंवरिया के अनुसार धार्मिक कार्यक्रम के दौरान सैकड़ो महिलाओं द्वारा विशाल कलश यात्रा भी निकाली गई जो कस्बे के मुख्य मार्ग से होती हुई गौशाला परिसर पहुंची ' झाबर एण्ड छेला पार्टी हरजनपुरा मंडली की तरफ से सुप्रसिद्ध भजनों की रसगंगा भी प्रवाहित की गई ' कार्यक्रम में आए हुए सभी प्रतिभाओं का गौशाला परिवार की तरफ से सम्मान भी किया गया ' धार्मिक कार्यक्रम के दौरान गौशाला परिसर में विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया जिसमें दुरदराज से आए हुए श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की ' इस दौरान श्री लाल यादव ,ख्यालीराम नेचू, लालचंद बड़सरा, भवानी सिंह कुड़ी ,इंसानियत ग्रुप के संस्थापक कैप्टन रामनिवास ताखर दलेलपुरा, राकेश मटोलिया, पाचूराम जांगिड़, लक्ष्मण कुड़ी, गौशाला कोषाध्यक्ष रामनाथ कुड़ी, भगवान सहाय यादव गिरधारी लाल सैनी महेंद्र तेतरवाल ईश्वर सिंह सहित कई लोग मौजूद रहे '

एक वृक्ष मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण।

चमकता राजस्थान। बहादुरपुर (राजवीर सिंह) महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में बास शेखावत मे एक वृक्ष मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।संस्था प्रधान दुर्गेश सिंह शेखावत ने बताया कि बालाजी सेवा समिति और जमनादस सेवा समिति के सौजन्य से विद्यालय परिसर और आसपास राजकीय जगह पर अशोक, नीम, बरगद, गुड़हल ,आंवला, अर्जुन की प्रजाति के 70 पौधे लगाए गए। तथा प्रत्येक अध्यापक से पांच पौधे लगाने का आह्वान किया गया।कार्यक्रम में सेवा समिति के नवीन धानका,जमनादास सेवा समिति से कृष्ण कुमार,सहित विद्यालय से नरेंद्र यादव, शारीरिक शिक्षक, ओम प्रकाश यादव,भवानी शंकर,मोहन लाल,श्रद्धा शर्मा,सुनीता वर्मा सुरेश कुमार मुकेश कसाना मंजू यादव,रविदत्त सहित विद्यालय के छात्र छात्राएं उपस्तिथ रहे।

सात दिवसीय बैसिक प्रशिक्षण शिविर का समापन

चमकता राजस्थान / झुंझुनू

(सुमेर सिंह राव) हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स राजस्थान राज्य जिला मुख्यालय झुंझुनू द्वारा रूपाणा धाम में आयोजित सात दिवसीय कब मास्टर फ्लॉक लीडर बैसिक प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ। प्रशिक्षण में शिविर में 90 फ्लॉक लीडर ने भाग लिया। इस शिविर में फ्लॉक लीडर ने विभिन्न सत्रों में योग, व्यायाम, स्काउट कि प्रार्थना,, ध्वज गीत, स्काउट प्रतिज्ञा, स्काउट के नियम, स्काउट के सिद्धांत, स्काउट का इतिहास, ध्वज शिष्टाचार सहित अन्य कार्यों का अभ्यास किया
शिविर का समापन विशाल कैंप फायर के साथ हुआ! विशाल कैंप फायर रूपाणा धाम के महंत पवन पुजारी के सानिध्य में आयोजित हुआ जिसमे फ्लॉक लीडर में अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतिया दी
शिविर में फ्लॉक लीडर ने हिंदुस्तान स्काउट गाइड के साहयक राज्य संगठन आयुक्त प्रदीप इशरवाल के निर्देशन में प्रशिक्षण लिया
इस कैंप में प्रीतिभागियों को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संकल्प दिलाया गया। यह शिविर प्लास्टिक मुक्त थीम के साथ आयोजित किया गया। इस शिविर में ट्रेनर के रूप में खुशबू दानोदिया और आशीष गुडेसर ने प्रशिक्षण दिया।

जिला प्रभारी सचिव ने किया क्षेत्र भ्रमण जिलास्तरीयअधिकायों की बैठक के पश्चात

चमकता राजस्थान। धौलपुर (रामदास तरुण)। जिला प्रभारी सचिव ने विभिन्न विकास कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने राजकीय कन्या महाविद्यालय मरैना के पास स्थित जल जीवन मिशन के तहत निर्मित ऑवर हैड वॉटरटैंक से जलापूर्ति के बारे में जायजा किया एवं आमजन से पेयजल की आपूर्ति का समय, प्रेशर एवं चालू जल कनेक्शन के बारे में जानकारी ली बजट 2024-25 में राज्य सरकार द्वारा घोषित निर्यात संवर्धन नीति एवं एक जिला एक उत्पाद हेतु नई नीति के संबंध में धौलपुर जिले में चिन्हित उत्पाद स्किम्ड मिल्क पाउडर के प्रोसेसिंग संयंत्र जसराम मिल्क फूड्स का जायजा किया। जिला प्रभारी सचिव ने उद्यमी से दूध एवं संबद्ध उत्पाद उद्योग के संबंध में एवं उनकी समस्याओं और सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं एवं राज्य सरकार से इस विषय में क्या अपेक्षाएं हैं, के बारे में विस्तृत चर्चा की।जिला प्रभारी सचिव ने अम्बेडकर छात्रावास सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग का निरीक्षण किया।गौरतलब है कि बजट 2024-25 में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के तहत संचालित किये जा रहे दोनों छात्रावासों के उन्नयन एवं पुनर्निर्माण हेतु घोषणा की गई है। उन्होंने विभाग के अधिकारियों को छात्रावास उन्नयन एवं वर्तमान में छात्रावास से लाभान्वित विद्यार्थियों की संख्या के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर ब्रह्मलाल जाट साथ मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में राजीनामे के माध्यम से हुआ 2664 प्रकरणों का निस्तारण

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के आदेशानुसार अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) धौलपुर सतीश चंद द्वारा दीप प्रज्जलित कर 13 जुलाई 24 को धौलपुर जिले में आमजन को सस्ता, शीघ्र व सुलभ न्याय दिलाये जाने के उद्धेश्य से राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ किया गया। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश) रेखा यादव द्वारा बताया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से प्रकरणों के निस्तारण हेतु मुख्यालय धौलपुर व सैंपऊ हेतु 05 तथा ताल्लुका मुख्यालय बाडी (बसेडी व सरमथुरा न्यायालय सहित) पर 04 एवं ताल्लुका राजाखेडा स्तर पर 01 बैंच, इस प्रकार कुल 10 बैंचों का गठन किया गया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु धौलपुर जिले में विभिन्न न्यायालयों में लंबित 4560 प्रकरणों को चिन्हित किया गया। धौलपुर जिले में स्थित विभिन्न न्यायालयों में राजीनामा योग्य फौजदारी प्रकरण 551 एन.आई. एक्ट के 71 धन वसूली के 14 प्रकरण, अन्य सिविल मामले 62 एम.ए.सी.टी के 57 वैवाहिक विवाद 32 भरण-पोषण 51, परिवहन सम्बन्धी विवाद 437, जन उपयोगी सेवाओ संबंधी विवाद 5, उपभोक्ता फोरम के 13 समस्त राजस्व मामले 101 निरोधात्मक कार्यवाही के 1161 इस प्रकार कुल 2555 लंबित मामलों का निस्तारण राष्ट्रीय लोक अदालत में किया जाकर कुल 30760297/- रूपये राशि का अवार्ड पारित किया गया। इसके साथ ही प्री-लिटिगेशन के बैंक ऋण, टेलिफोन बिल के विवाद व अन्य सिविल विवाद के कुल 109 प्रकरण निस्तारित किये गये। पारिवारिक न्यायालय मे स्नेहा बनाम सौरभ, ममता बनाम रनजीत सिंह एवं उषा बनाम सतीश सागर में आपसी समझाईश कर लोक अदालत की भावना से साथ-साथ रहना जाहिर किया। मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण में 40 प्रकरणों में लोक अदालत की भावना से निस्तारण आज दिनांक 13 जुलाई 2024 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत धौलपुर की बैंच संख्या 02 के अध्यक्ष प्रीति नायक, आर. जे.एस (न्यायाधीश मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण,धौलपुर) के द्वारा बताया कि एमएसीटी न्यायालय, धौलपुर में दुर्घटना संबंधित लंबित प्रकरणों में पक्षकारों की आपसी सहमति से समझौता कराया जाकर संबंधित विपक्षीगण से पीड़ित पक्षकारों को अवार्ड राशि हेतु अवार्ड/पंचाट जारी किये गये। निष्कर्षतः कुल 95 प्रकरणों को लोक अदालत के लिए रैफर किया गया जिनमें से कुल 40 प्रकरणों में राजीनामा हेतु पक्षकारान मे समझाइश करवाई जाकर आज लोक अदालत में लंबित प्रकरणों का निस्तारण कर उनमें कुल राशि 2,30,45000/- रूपये के अवार्ड पारित किये गये। विशेष प्रकरण- 9 साल पुराना मामला मूल एमएसी नं- 673/2015 रामदेवी बनाम बजाज ता.फै. 20.07.2017 में वसूली बाबत प्रस्तुत इजराय सं. 41/2015 गुड्डी बनाम बजाज ता. फौ. 20.07.2017 मे वसूली बाबत प्रस्तुत इजराय सं. 40/2018 गुड्डी बनाम बजाजल है जिसका निस्तारण पक्षकार की आपसी सहमति से पूर्ण सन्तुष्टि में करवाया गया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929